INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-135 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 11 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अधूरे पड़े विकास कार्यों को मिली नई वित्तीय संजीवनी

क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत जिले को मिले 1.20 करोड़ रुपये

स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल सड़क और विद्युत से जुड़े कामों को मिलेगी गति

यूनिक समय, मथुरा। जिले में लंबे समय से बजट के अभाव में अधूरे पड़े विकास कार्यों को अब नई गति मिलने की उम्मीद है। शासन ने क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत मथुरा जनपद के लिए 1.20 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस राशि का उपयोग उन महत्वपूर्ण जनहित कार्यों को पूरा करने में किया जाएगा, जो विभिन्न विभागों की प्राथमिकता में होने के बावजूद पर्याप्त बजट उपलब्ध न होने से लंबित चल रहे थे।

जिले में प्रत्येक वर्ष केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का बजट जारी किया जाता है।

इसके बावजूद कई बार विभागीय मद में धनराशि की कमी के कारण आवश्यक परियोजनाएं अधूरी रह जाती हैं। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है और लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ती है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए शासन ने क्रिटिकल गैप्स योजना के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई है। इस योजना का उद्देश्य उन कार्यों को प्राथमिकता देना है, जो जनसुविधाओं से सीधे जुड़े हैं और जिनके पूरा होने से बड़ी आबादी को राहत मिलेगी। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी मोहित बघेल के अनुसार, संबंधित विभागों से ऐसे अधूरे कार्यों का विवरण लिया जा रहा है, जिन्हें शीघ्र पूरा कराया जा सकता है।

योजना के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की मरम्मत, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना, ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों की सड़कों का सुधार और विद्युत व्यवस्था से जुड़े आवश्यक कार्य कराए जा सकते हैं। इससे न केवल अधूरी परियोजनाएं पूरी होंगी, बल्कि लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह का मानना है कि समयबद्ध तरीके से धनराशि का उपयोग होने पर विकास कार्यों में तेजी आएगी और वर्षों से लंबित परियोजनाओं को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त होगा। संबंधित विभागों को कार्यों की प्राथमिकता तय कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्वीकृत धनराशि का उपयोग जनहित में प्रभावी ढंग से किया जा सके। इससे जिले में विकास की गति बढ़ने और नागरिक सुविधाओं में सुधार की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

हथिनी कुंड के खोले गेट, यमुना का जल स्तर बढ़ा

निचले इलाकों में दहशत

वृंदावन स्थित केशीघाट के निकट यमुना के बढ़ते जल स्तर को देखते श्रद्धालु।

मथुरा और वृंदावन के निचले क्षेत्र की कॉलोनियों में रहने वालों की फिर नींद उड़ी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। पहाड़ी इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश से हथिनीकुंड के दस फाटक खोल दिए जाने के बाद यमुना का जल स्तर बढ़ने लगा है। इस बढ़ते जल स्तर का प्रभाव वृंदावन और मथुरा में दिखाई देने लगा है। दोनों जगहों पर पानी उफान के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। यमुना के आसपास निचले इलाकों में पानी ही पानी हो गया है।

फसलें डूबने लगी हैं। यमुना किनारे बनी कालोनियों में रहने वाले लोगों का दिल धक–धक करने लगा है। यह डर सता रहा है कि पिछले साल की तरह आने वाले समय में यमुना का पानी घरों में घुस सकता है।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हथिनी कुंड के दस गेट खोलने की जानकारी मिली है। प्रारंभिक सूचना के आधार पर इन गेटों से 50649 क्यूसिक पानी छोड़ा गया है। इस पानी आने वाले समय में वृंदावन और मथुरा में अपना असर दिखा सकता है।

वैसे आज सुबह की स्थिति यह देखी गई कि वृंदावन और मथुरा के सभी घाटों के सामने यमुना उफान के साथ देखी गई। तेज बहाव पेड़ और पौधे पानी के साथ बहते नजर आए। इस दरम्यान यमुना में डुबकी लगाने वालों की जान पर आफत आ सकती है। यदि थोड़ी सी लापरवाही हो गई तो हादसे की खबर आ सकती है। वृंदावन और मथुरा में यमुना के बढ़ते जल स्तर के नजारे को देखने के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं।

एलपीजी टैंकर ने लगाए ब्रेक छोटा हाथी सवार दो घायल

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार दोपहर बरारी गांव के समीप आगरा की ओर जा रहे एलपीजी टैंकर ने अचानक ब्रेक लगाए, तो पीछे से आ रहा छोटा हाथी वाहन टकरा गया। हादसे में छोटा हाथी सवार दो लोग घायल हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दोपहर 11:30 बजे एक एलपीजी टैंकर आगरा की ओर जा रहा था। हाइवे स्थित गांव बरारी के समीप किसी के सामने आने पर एलपीजी टैंकर चालक ने ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे से आ रहा छोटा हाथी वाहन टकरा गया। हादसे में छोटा हाथी चालक और

एक अन्य घायल हो गए। दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। हादसे में छोटा हाथी का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

डेंगू–मलेरिया के लक्षण मिलने पर होगी जांच और इलाज

आशा–आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर करेंगी जागरूक

31 जुलाई तक चलेगा अभियान, आशा कार्यकर्ता करेंगी बीमारी की पहचान

मच्छर जनित रोगों से बचाव पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए शनिवार से 'दस्तक अभियान' शुरू हो गया है। यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। अभियान के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों से मिलेंगी और उन्हें बीमारियों से बचने के आसान तरीके बताएंगी। स्वास्थ्य विभाग पहले से ही 1 जुलाई से संचारी रोग नियंत्रण अभियान चला रहा है। अब उसके तहत दस्तक अभियान शुरू किया गया है, ताकि हर घर तक पहुंचकर लोगों को जागरूक किया जा सके। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घरों में जाकर परिवार के लोगों का हालचाल

जानेंगी। यदि किसी को बुखार, डेंगू, मलेरिया या किसी अन्य बीमारी के लक्षण मिलते हैं, तो उसकी जानकारी तुरंत नजदीकी सीएचसी या पीएचसी को दी जाएगी। इसके बाद मरीज की जांच कराकर जरूरत पड़ने पर इलाज भी कराया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों को बताया जाएगा कि बारिश के मौसम में घर की छत, कूलर, गमले, टायर या किसी भी जगह पानी जमा न होने दें। जमा पानी में मच्छर पैदा होते हैं, जिससे डेंगू और मलेरिया फैलने का खतरा बढ़ जाता है। लोगों को साफ–सफाई रखने, मच्छरों से बचाव करने और बुखार आने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच कराने की भी सलाह दी जाएगी।

जिला मलेरिया अधिकारी चंद्र प्रकाश मिश्र ने बताया कि दस्तक अभियान के लिए सभी आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं।

अभियान के दौरान यदि कोई बीमार मिलता है तो उसकी जांच कराई जाएगी और जरूरत के अनुसार इलाज भी कराया जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि अभियान में पूरा सहयोग करें, अपने घर और आसपास साफ–सफाई रखें तथा किसी भी तरह का बुखार या बीमारी होने पर बिना देरी किए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। समय पर जांच और इलाज से डेंगू, मलेरिया और अन्य संचारी रोगों से दूर रह सकें।

महंगाई के दौर में कंपनियों का नया खेल

दाम पुराने और पैकेट हल्के

दुकान में बिक्री के लिए रखे खाद्य उत्पाद।

कई कंपनियों ने ग्राहक को फंसाए रखने को नहीं बढ़ाए दाम

वजन घटाकर महंगाई के बोझ को हल्का कर रहीं हैं कंपनियां

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई अब केवल वस्तुओं की कीमत बढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उसने नया रूप ले लिया है। मथुरा के बाजारों में खाद्य और दैनिक उपयोग के कई उत्पादों का वजन लगातार घटाया जा रहा है, जबकि उनकी कीमत पहले जैसी ही रखी जा रही है। अर्थशास्त्र में इस प्रवृत्ति को 'श्रिंकफ्लेशन' कहा जाता है। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब और घरेलू बजट पर पड़ रहा है।

शहर के किराना व्यापारियों का कहना है कि पहले 10 रुपये में मिलने वाले बिस्किट के पैकेट में अधिक मात्रा मिलती थी, लेकिन अब उसी कीमत पर पैकेट का वजन कम कर दिया गया है। इसी तरह कई नमकीन कंपनियों ने भी पैकेट का वजन घटा दिया है। पहले आधा किलो के नाम पर बिकने वाले कई उत्पाद अब करीब 400 ग्राम तक सीमित हो गए हैं। 30 रुपये वाले नमकीन के पैकेट का वजन भी 180 ग्राम से घटकर लगभग 150 ग्राम रह गया है। चिप्स, बिस्किट और अन्य स्नैक्स के पैकेटों में भी पहले की तुलना में सामग्री कम और खाली जगह अधिक दिखाई देने लगी है।

व्यापारियों के अनुसार, इस बदलाव की शुरुआत सबसे पहले खाद्य तेलों के पैक से हुई थी। पहले जहां एक लीटर के पैक अधिक बिकते थे। वहीं अब 750 या 800 मिलीलीटर के पैक बाजार में उतारे जा रहे हैं। सरसों का तेल, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, चाय-पत्ती और कई अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं में भी इसी तरह वजन कम किया गया है, जबकि कीमतों में बड़ा बदलाव नहीं दिखता। उपभोक्ताओं का कहना है कि पैकेट पर अंकित कीमत वही होने के कारण अधिकांश लोग शुरुआत में वजन में आई कमी पर ध्यान नहीं दे पाते। जब महीने भर में सामान जल्दी खत्म होने लगता है और बार-बार खरीदारी करनी पड़ती है, तब वास्तविक खर्च बढ़ने का एहसास होता है। इसका सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। व्यापारियों का तर्क है कि कच्चे माल, पैकेजिंग, परिवहन और उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि के कारण कंपनियां सीधे दाम बढ़ाने के बजाय उत्पाद का वजन कम करने की रणनीति अपना रही हैं। हालांकि उपभोक्ता इसे महंगाई का ऐसा नया तरीका मान रहे हैं, जो पहली नजर में दिखाई नहीं देता, लेकिन धीरे-धीरे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ डाल देता है।

व्यापारी बोले

प्रोविजन स्टोर के संचालक पवन गुप्ता का कहना है कि कंपनियों का मानना है कि दाम बढ़ाने से उन्हें बिक्री प्रभावित होने का डर रहता है, इसलिए वह पैकेट बंद उत्पादों के दाम न बढ़ाकर वजन कम कर देती है, ताकि ग्राहक उनसे जुड़ा रहे।

कारोबारी शिवम सिंघल का मानना है कि अब सभी कंपनियों की ओर से महंगाई बढ़ने के साथ ही उत्पादों का वजन कम कर यही तरीका अपनाया जाने लगा है, उत्पादों पर दाम न बढ़ाने वाले फार्मूले से ग्राहक भी उत्पाद खरीदते रहते हैं।

नए घाटों के काम में बारिश डाल सकती है रुकावट

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना किनारे बन रहे घाटों के निर्माण कार्यो पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। कार्यदायी संस्था बड़ी तेजी से काम को पूरा करने में लगी है। मानसून के सक्रिय होने से निर्माण कार्य में बाधा हो रही है। पिछले दिनों हुई बारिश के कारण भी काम रुक गया था। अब आगे मूसलाधार बारिश होगी तो भी काम रूक जाएगा। इसलिए कार्यदायी संस्था घाटों को पूरा कराने के काम तो तेजी से करने पर विचार कर रही है। यमुना किनारे बन रहे घाटों से हर की पैड़ी जैसा लुक दिखाई देने लगेगा।

घर में घुसकर महिला से की छेड़छाड़

विरोध करने पर मारपीट किया चार लोगों को घायल

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में महिला को घर में घुसकर छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर महिला के परिजनों के साथ मारपीट के मामले चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव के एक ग्रामीण ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि आठ जुलाई को उसकी पत्नी घर के आगंन में बर्तन साफ कर रही थी। इस दौरान शाम करीब साढ़े आठ बजे पड़ोसी दो युवक घर के अंदर घुस आए और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। पत्नी के शोर करने पर परिजन वहां आए तो दोनों युवक वहां से भाग गए। बाद में दोनों युवक अपने साथ अपने दो अन्य परिजनों के साथ लाठी,सरिया और डंडा और सरिया लेकर आए इन लोगों ने घर में घुसकर परिवार के चार लोग घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिजली चोरों पर बड़ी कार्रवाई

छह महीने में 1445 लोगों पर मुकदमा

कटिया, जंपर और अवैध कनेक्शन से चोरी पकड़ी गई

अब बॉडी कैमरे की निगरानी में चलता है चेकिंग अभियान

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ बिजली विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। लगातार कार्रवाई के बावजूद लोग नए-नए तरीके अपनाकर बिजली चोरी कर रहे हैं। कहीं कटिया डालकर तो कहीं जम्फर लगाकर बिजली चलाई जा रही है। कई जगह ई-रिक्शा, आटा चक्की और अन्य काम भी चोरी की बिजली से चलते मिले हैं।

विद्युत चोरी निरोधक पुलिस के अनुसार, एक जनवरी से 10 जुलाई 2026 तक जिले में चलाए गए अभियान के दौरान 1020 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज किए गए हैं। विभाग का कहना है कि आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं प्रवर्तन दल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि 1 जनवरी से 30 जून के बीच जिले में प्रवर्तन दल ने 690 जगह चेकिंग की गई। इस दौरान 425 लोग बिजली चोरी करते हुए पकड़े गए। सभी के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई।

प्रवर्तन दल के अनुसार, पकड़े गए मामलों में 5 किलोवाट के 43, 4 किलोवाट के 49, 3 किलोवाट के 158 और 2 किलोवाट के 175 मामले शामिल हैं। सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है। प्रर्वतन दल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि अब बिजली चोरी रोकने के लिए चेकिंग अभियान और सख्त किया जाएगा। पूरी कार्रवाई बॉडी कैमरे की निगरानी में होगी,जहां भी बिजली चोरी की सूचना मिलेगी, वहां तुरंत टीम भेजकर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिजली चोरी से विभाग को लाखों रुपये का नुकसान होता है। इसका असर उन उपभोक्ताओं पर भी पड़ता है जो समय पर बिजली बिल जमा करते हैं। इसलिए बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति बिजली चोरी करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

आगरा-दिल्ली हाइवे पर दो कारों में भिड़ंत

दूसरी कार का एयरबैग खुलने से बची जानें

सभी सवारियां सुरक्षित पुलिस ने संभाला मोर्चा

संवाददाता

यूनिक समय, छाता । आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाता कोतवाली क्षेत्र स्थित ग्राम दौताना के पास शनिवार दोपहर में दो कारों में आपस में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिछली कार के एयरबैग खुल गए। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और दोनों गाड़ियों में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाइवे पर कार्य प्रगति पर होने की वजह से आगे चल रही कार के ब्रेक लेने से गति धीमी होने की वजह से पीछे आ रही तेज रफ्तार कार उससे टकरा गई। टक्कर लगते ही पिछली गाड़ी के सुरक्षा एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे कार सवार एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए।

ग्राम दौताना के पास टक्कर के बाद दुर्घटनाग्रस्त कार को हटाती क्रेन।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत पहुंच गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइवे के किनारे करवाकर मार्ग को सुचारू कराया, जिससे हाईवे पर जाम की स्थिति न बने। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्राओं को छेड़ने वाला सफेद कार सवार मुठभेड़ में गिरफ्तार

बाइक से जाने के दौरान एक्सप्रेस वे पर चली थीं गोलियां

दोनों पैरों में लगी गोली पुलिस ने कराया अस्पताल में भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। सफेद रंग की कार में जबरन छात्राओं को खींचकर बिठाने वाले युवक से एक्सप्रेस- वे पर बीती रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में युवक के दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस कार सवार युवक की पहचान महावन पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रुप से की थी।

पुलिस के अनुसार, थाना बल्देव में एक स्कूल की छात्रा को घर लौटने के दौरान बम्बे वाले रास्ते से जाने के दौरान सफेद रंग की कार सवार युवक ने गांव तक छोड़ने के लिए कहा था। छात्रा ने कार में बैठने से मना किया तो युवक ने उसे जबरन कार में खींच लिया। छात्रा ने आगे चलकर कार के स्टेयरिंग को मोड़ दिया,जिससे कार पोल से टकरा गई। इसके बाद छात्रा शोर करती हुई कार से भाग निकली। सवार भी कार को मौके से लेकर भाग गया। बताया गया कि कार सवार ने महावन, गोवर्धन, जैंत और हाइवे क्षेत्र में इस तरह की छात्राओं के साथ वारदात की थी।

बल्देव में हुई दुस्साहसिक वारदात के बाद पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई की। पचास से अधिक सीसी कैमरों की फुटेज खंगालकर कार सवार की पहचान की। पुलिस घटना करने वाले युवक ओमप्रकाश उर्फ भूरा निवासी गांव जुल्हैंदी थाना गोवर्धन को तलाश कर रही थी। बीती रात यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 124 हथौड़ा गांव के समीप बाइक से आते युवक को चेकिंग के लिए रोकने प्रयास किया। इस पर बाइक सवार युवक ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बाइक सवार युवक के दोनों पैरों में गोलिया लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने घायल युवक ओमप्रकाश उर्फ भूरा को मौके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा कारतूसों और बाइक बरामद की है। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर पुलिस की गोली से हुआ घायल

मौके से बाइक और देशी तमंचा- कारतूस बरामद

गोविंदनगर और स्वाट टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

गोली लगने से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर को अस्पताल ले जाती पुलिस।

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस और स्वाट टीम ने बीती रात चक्रतीर्थ घाट के पीछे गऊ घाट की ओर जाने वाले कच्चे रस्ते के समीप हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे हिस्ट्रीशीटर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए बदमाश को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि थाना गोविंदनगर क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर दीपक निवासी अर्जुनपुरा थाना गोविंदनगर हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित चल रहा था। बीती रात गोविंद नगर पुलिस और स्वाट टीम अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर दीपक बाइक से आने वाला है। पुलिस ने बाइक सवार को वहां आते देखा तो उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख कर बाइक सवार हिस्ट्रीशीटर ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी अपने बचाव में जवाबी फायरिंग की। पुलिस की एक गोली बदमाश के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से एक देशी तमंचा कारतूस और बाइक बरामद की है। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

बरेली हाइवे पर टायर, फटने से भैंसों से भरा कैंटर पलटा

बरेली हाइवे पर अनियंत्रित होकर पलटा कैंटर।

यूनिक समय, राया। थाना राया क्षेत्र में शनिवार को मथुरा–बरेली हाइवे मार्ग पर अचानक टायर फटने से कैंटर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसा गांव वृंदावन की नगरिया के पास रेलवे पुल से उतरते समय हुआ। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गयी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कैंटर तेज रफ्तार में था। रेलवे पुल से उतरते ही उसका टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और वाहन पलट गया। हादसे में कुछ भैंसें घायल हो गईं ,जबकि कई भैंसें सड़क किनारे इधर–उधर दौड़ने लगी।

कैंटर चालक कमल ने बताया कि वह महावन पशु पैंठ से 15 भैंस लेकर अलीगढ़ जा रहा था। अचानक टायर फटने से यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक रविंद्र पाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी भैंसों को पकड़कर चालक के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है और मथुरा–बरेली हाईवे पर यातायात पूरी तरह सामान्य रहा।

साइबर सरगना की गिरफ्तारी न होने से खड़े होने लगे सवाल

पुलिस के राडर पर क्यों हैं केवल छोटे अपराधी

लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से दूर क्यों है सरगना शमीम

साइबर ठगी का सरगना अब भी फरार, पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। साइबर अपराधों के लिए बदनाम हो चुके देवसेरस क्षेत्र में सक्रिय कथित मुख्य सरगना शमीम अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। लंबे समय से उसकी तलाश के दावों के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने से स्थानीय लोगों के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। खासकर देवसेरस चौकी की कार्यशैली पर चर्चाएं तेज हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब कई अन्य आरोपियों तक पुलिस पहुंच चुकी है, तो मुख्य आरोपी अब तक कानून की पकड़ से दूर कैसे है।

देवसेरस क्षेत्र को साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के कारण लोग मिनी जामताड़ा कहने लगे हैं। पुलिस ने समय–समय पर यहां छापेमारी कर कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और साइबर ठगी से जुड़े उपकरण भी बरामद किए हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय बताए जा रहे मुख्य सरगना शमीम की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो सकी है। इससे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस लगातार अभियान चला रही है तो साइबर माफिया अभी तक पुलिस की पकड़ से कैसे दूर है? लंबे समय तक फरार रहना कई तरह की आशंकाओं को जन्म देता है। लोगों का मानना है कि मुख्य सरगना की गिरफ्तारी होने पर साइबर ठगी के पूरे नेटवर्क की कमर टूट सकती है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस की ओर से आरोपी की तलाश जारी होने की बात कही जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई है। इसी वजह से देवसेरस चौकी प्रभारी की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पुलिस को केवल छोटे आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे गिरोह का संचालन करने वाले कथित मास्टरमाइंड तक पहुंचना चाहिए। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वांछित आरोपियों की तलाश लगातार जारी है और उन्हें पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरे नेटवर्क को चलाने वाले शमीम की गिरफ्तारी कब तक होगी, इसे लेकर लोगों के मन में सवाल खड़े होने लगे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

हादसें में पत्नी और पुत्र घायल

यूनिक समय, राया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव मल्हे के समीप शनिवार की सुबह सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पुत्र और पत्नी गंभीर घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार, गांव कटैला निवासी वीरेंद्र खाटू श्याम से दर्शन करके लौट रही अपनी पत्नी सुनीता देवी और पुत्र पंकज को लेने के लिए बाइक से मथुरा की तरफ जा रहे थे। गांव मल्हे के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से तीनों बाइक सवार घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया । उपचार के दौरान वीरेंद्र (48) की मौत हो गयी। पत्नी और पुत्र का केडी मेडिकल में उपचार चल रहा है।

आस्था, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है गोवर्धन परिक्रमा

यूनिक समय, गोवर्धन। जब आधुनिकता की दौड़ में परंपराएं धुंधली पड़ रही हों, तब ब्रज की धूल आज भी सनातन धर्म की जड़ों को सींच रही है। गोवर्धन पर्वत की 21 किलोमीटर की परिक्रमा और आषाढ़ पूर्णिमा पर लगने वाला मुड़िया मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सनातन संस्कृति के जीवंत प्रमाण हैं। यहां हर कदम पर भक्त को यह बोध होता है कि ईश्वर कण–कण में है।

मुड़िया मेला और परिक्रमा 23 जुलाई से शुरू होकर 29 जुलाई तक आयोजित होगा। ऐसे में इन तय दिनों

सनातन की जीवंत परंपरा से जुड़ा है मुड़िया मेला

सनातन धर्म की जड़ों को सींच रही है ब्रज की धूल

में प्रकृति ही परमात्मा की सोच दर्शित होगी।

गोवर्धन परिक्रमा भी इसी दर्शन को साकार करती है। भागवत पुराण के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के घमंड को तोड़ने के लिए गोवर्धन को धारण किया और कहा था कि गाय, ब्राह्मण और पर्वत की सेवा ही सच्ची पूजा है। तब से गिरिराज महाराज को

गिरिराज की दर्शन करते श्रद्धालु।

श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि कलियुग में देवता वृंदावन छोड़ चुके हैं, पर गिरिराज आज भी ब्रज में निवास करते हैं। इसलिए उनकी परिक्रमा करना स्वयं श्रीकृष्ण की परिक्रमा करने के समान है।

भक्त नंगे पांव, कभी दंडवत करते हुए परिक्रमा करते हैं। यह शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि मन के अहंकार को गलाना है। सनातन कहता है, जब तक मैं नहीं मिटेगा, तब तक वह नहीं मिलेगा। परिक्रमा पथ पर पड़ने वाले राधा कुंड, श्याम कुंड, मानसी गंगा और दानघाटी जैसे स्थल इस विश्वास को और दृढ़ करते हैं कि यह भूमि आज भी कृष्ण की लीलाओं की साक्षी है।

इसी आस्था का शिखर है मुड़िया पूर्णिमा मेला, जिसे गुरु पूर्णिमा पर मनाया जाता है। सनातन में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। इस दिन लाखों वैरागी, संत और गृहस्थ सिर मुंडवाकर परिक्रमा करते हैं, इसलिए इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। मुंडन का अर्थ काम, क्रोध, लोभ, मोह रूपी केशों का त्याग करना होता है। यह बाहरी नहीं, आंतरिक शुद्धि का संकल्प है।

कथा है कि महाप्रभु चैतन्य के शिष्य सनातन गोस्वामी ने इसी दिन तप कर गिरिराज शिला में कृष्ण के दर्शन पाए थे।

तभी से यह मेला गुरु–शिष्य परंपरा का महापर्व बन गया। यहां शैव और वैष्णव का भेद मिट जाता है, सभी एक ही पंक्ति में बैठकर प्रसाद पाते हैं। एकता, समता और समर्पण ही सनातन का वास्तविक स्वरूप है।

मुड़िया मेले की तैयारियों की बैठक में व्यवस्थाओं पर मंथन

मुड़िया मेला की बैठक में व्यवस्था की बात रखते संत।

23 से 29 जुलाई तक चलेगा मेला, वाहन पास की रखी गई बात

चकलेश्वर मार्ग पर हो रहे गड्ढों को भरने, टूटी सड़क मरम्मत की मांग

यूनिक समय, गोवर्धन। शनिवार को मुड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर तहसील परिसर में बैठक हुई। इस दौरान स्थानीय लोगों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, मंदिर सेवायतों, साधु–संतों और अन्य से मेले की व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली गई और सुझाव लिए गए।

एसडीएम सुशील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, साफ–सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मेला में स्थानीय व्यापारी वर्ग के सामान की आवाजाही तय करने के लिए वाहनों के पास जारी करने की मांग की, जबकि मुडिया संतों ने मुड़िया शोभायात्रा के लिए व्यवस्था बनाने पर जोर देते हुए चकलेश्वर से प्रारंभ होने वाली यात्रा के सफल निकास के लिए चकलेश्वर मार्ग पर हो रहे गड्ढों को भरने ओर टूटी हुई सड़क की मरम्मत कराने की बात रखी।

वहीं, जतीपुरा और आन्यौर आदि जगह से आए लोगों ने परिक्रमा मार्ग में भंडारे का आयोजन करने वाले श्रद्धालुओ से सख्ती से सफाई व्यवस्था तय करने के लिए सुझाव दिए। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। एकादशी से पूर्णिमा मेला तक स्थानीय लोगों से सहयोग करते हुए अपने दो पहिया वाहनों की भीड़ की स्थिति में परिक्रमा मार्ग में न चलाने की अपील की। बताया कि चार पहिया वाहन पूर्ण प्रतिबंधित रहेंगे। स्थानीय पत्रकारों ने भी प्रशासन को कई अव्यवस्थाओं से अवगत कराया और निराकरण के सुझाव भी दिए। व्यापारी वर्ग के बाजार में अतिक्रमण पर व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश पहलवान ने बताया कि प्रशासन के साथ जाकर वो खुद अतिक्रमण हटवाएंगे। इस अवसर पर सीओ अनिल कुमार सिंह, तहसीलदार ब्रजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी- संबंधित लोग मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा मेला में महज 12 दिन बाकी

गोवर्धन में महीनों से गड्ढा नहीं हो पा रहा है ठीक

यूनिक समय, गोवर्धन। पूर्णिमा मेला में अब 12 दिन बाकी रह गए हैं। मेला 23 से 30 जुलाई तक आयोजित होगा, मेला को लेकर प्रशासन तैयारी में जुट चुका है, लेकिन नगर पंचायत तो कछुआ गति से चलती हुई नजर आ रही है।

चकलेश्वर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर के समीप बना गड्ढा स्थानीय लोग और परिक्रमा देने वाले श्रद्धालुओं की मुसीबत का कारण बना हुआ है, जहां आए दिन कोई ना कोई घटना होती रहती है।

बारिश के दिनों में गड्ढे में पानी भर

स्थानीय नागरिकों को हो रही है परेशानी

जाने के कारण वहां बने मकानों में भी दरार आ चुकी है। शिकायत के बावजूद भी अभी तक प्रशासन ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया 16 जुलाई को यहां से जगन्नाथ यात्रा और 29 को मुड़िया यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारो श्रद्धालु शामिल होंगे। अब देखना यह है क्या प्रशासन मेला शुरू होने से पहले स्थानीय लोगों को इस समस्या से निजात दिला पाएगा या यह समस्या बनी।

श्रद्धालुओं को दिलाया जाएगा स्वच्छता संकल्प

संतों के संकल्प से मिलेगी स्वच्छ ब्रज अभियान को नई गति

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर श्रद्धालुओं को दिलाया जाएगा स्वच्छता का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए अब संत समाज भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर संचालित 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान में संत, महंत, गुरु महाराज और भागवताचार्य श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संकल्प दिलाएंगे।

धार्मिक प्रवचनों, सत्संग और भागवत कथाओं के माध्यम से वे भक्तों को ब्रज की पवित्रता बनाए रखने का संदेश देंगे।

ब्रज भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की जन्म और लीलास्थली होने के कारण देश–विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। हर वर्ष बड़ी संख्या में

लक्ष्मी नागप्पन।

श्रद्धालु मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव और राधाकुंड सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों पर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिरों के साथ–साथ श्रद्धालु संतों के आश्रमों में भी आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। इसी प्रभाव को देखते हुए परिषद ने संत समाज को स्वच्छता अभियान का महत्वपूर्ण भागीदार बनाया है।

अभियान के तहत संत समाज श्रद्धालुओं को ब्रज में कूड़ा न फैलाने, एकल–उपयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने और यमुना तट, कुंडों, घाटों, परिक्रमा मार्गों और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने की प्रेरणा देगा। श्रद्धालुओं को यह भी समझाया जाएगा कि ब्रज की सफाई केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की सेवा और ब्रज रज के सम्मान का प्रतीक है। स्वच्छ वातावरण से तीर्थों की गरिमा भी बनी रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ-पवित्र ब्रज की धरोहर मिलेगी।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त प्रयास से चल रहे इस अभियान में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठन भी सहयोग कर रहे हैं। परिषद का मानना है कि संत समाज के जुड़ने से स्वच्छता का संदेश लाखों श्रद्धालुओं तक सहजता से पहुंचेगा और जनभागीदारी पहले से अधिक मजबूत होगी।

परिषद के अधिकारियों के अनुसार ब्रज की पहचान केवल मंदिरों और परिक्रमा मार्गों से नहीं, बल्कि उसकी आध्यात्मिक पवित्रता, सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य से भी है। ऐसे में प्रत्येक श्रद्धालु का यह दायित्व है कि वह ब्रज को स्वच्छ, निर्मल और दिव्य बनाए रखने में अपना योगदान दे। संत समाज की सहभागिता से इस महाअभियान को नई ऊर्जा और व्यापक जनसमर्थन मिलने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन का कहना है कि ब्रज दर्शन के लिए आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु यह संकल्प लेकर जाए कि वह स्वयं भी स्वच्छता का पालन करेगा और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेगा। ब्रज में गंदगी फैलाना केवल पर्यावरण के प्रति लापरवाही नहीं, बल्कि इस पावन धाम की गरिमा और हमारी आस्था के प्रति भी अनुचित आचरण है।

महावन में स्वच्छता श्रमदान रविवार को

यूनिक समय, मथुरा। हम सब ने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के अंतर्गत रविवार प्रातः आठ बजे महावन स्थित चौरासी खंभा मंदिर और चिंताहरण महादेव घाट पर हार्टफुलनेस संस्था के स्वयंसेवकों सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता स्वच्छता संबंधी श्रमदान करेंगे।

वृंदावन में अतिक्रमण से सिकुड़ते बाजार

यूनिक समय, वृंदावन। बढ़ते अतिक्रमण के कारण मंदिरों की नगरी के बाजारों के रास्ते छोटे होते जा रहे हैं। छोटे होते रास्तों के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों की शिकायत है कि बाजारों में दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। इस कारण बाजारों के रास्ते छोटे होते जा रहे हैं। आए दिन ऐसी स्थिति बन जाती है कि राहगीर भीड़ में फंस जाते

आए दिन राहगीरों को होती है परेशानी

हैं। फिर वह संबंधित अधिकारियों और पुलिस को कोसते हैं। लोगों का कहना है कि बाजारों से अतिक्रमण हटाने के लिए समय–समय पर अभियान चलाना चाहिए, जिससे राहगीरों को चलने फिरने में आसानी हो। बाजारों में यदि ई-रिक्शा आ जाते हैं तो हालात तो और खराब हो जाते हैं।

हंसता आईना

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बजट संकट से थमा टंकियों का निर्माण, शुद्ध पानी का सपना फिर टला

शुद्ध पीने के पानी को अभी करना होगा और इंतजार

अगले साल के अंत तक ग्रामीणों को मिल सकता है पानी

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीणों को नल से शुद्ध जल के लिए अभी और इंतजार करना होगा। जिले में तैयार हो रही टंकियों का काम सुस्त हो गया है, जिससे शुद्ध पानी मिलने का सपना और आगे खिसक गया है। अब बजट की कमी से गांवों में बनने वाली टंकियों का काम कुछ धीमा हो गया है। विभाग भी बजट की कमी होने की बात कह रहा है।

जल जीवन मिशन योजना के तहत जिले की 495 ग्राम पंचायतों में 212 पानी की टंकियों का निर्माण चल रहा है। जनवरी 2023 में शुरू हुए इस काम को कार्यदाई संस्था को जनवर 2015 तक पूरा करना था, लेकिन बार- बार बजट से जुड़ी दिक्कतों की वजह से अभी तक जिले में केवल 30 टंकियों का निर्माण ही पूरा हो सका है। ऐसे में अब विभाग का दावा है कि जिले के सभी गांवों को अगले साल दिसंबर तक पानी पिला दिया जाएगा।

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के सर्वे में चयनित किए गए हर घर तक पानी पहुंचाया जाएगा। शासन से इस कार्य के लिए 2500 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ था। इस कार्य का जिम्मा लखनऊ की एक कंपनी को दिया गया है। वहीं, काम में देरी होने पर विभाग कई बार इस कंपनी के कर्मचारियों को नोटिस भी दे चुका है।

विभाग का दावा है कि जिले की 495 ग्राम पंचायतों में हर घर को जल पर कार्य किया जा रहा है। काफी गांवों में पाइपलाइन बिछा दी गई है, अन्य गांवों में कार्य को तेजी से करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, योजना से जुड़े जानकारों ने बताया कि हर नल काम के लिए फिलहाल बजट का अभाव होने से टंकियों से जुड़ा काम बंद चल रहा है। अधिकारी भी शासन से इस बोर में पत्राचार कर चुके हैं। जल निगम के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत 212 टंकियों का निर्माण होना है, जिले में अब तक करीब 30 टंकियां बनाई जा चुकी हैं। बजट तो आता रहता है। अगले साल के अंत तक सभी गांवों को शुद्ध जल उपलब्ध कराया जाएगा।

पानी के लिए परेशान रहेंगे ग्रामीण

गांव और आसपास खारा पानी है। मीठा पानी पीने के लिए टैंकर वालों से खरीदकर पीना पड़ रहा है। फरह ब्लाक के गांव रहीमपुर के विकास, सत्यपाल, मुकेश और गांव दौलतपुर के वीरेंद्र, दवकरन, रोहन सिंह का कहना है कि ब्लाक क्षेत्र में पानी की टंकियां ग्राम पंचायतों में बन रही हैं, लेकिन ग्रामीणों को पानी मिलता नहीं दिख रहा है। अब तो गांव के पास बन रही टंकी का काम भी बंद दिखता है।

बांकेबिहारी की झलक पाने को उमड़े श्रद्धालु, गूंजे जयकारे

बांकेबिहारी के दर्शन को जाते श्रद्धालु।

राधारानी तीन वन की परिक्रमा में शामिल संत और भक्त।

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार को बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही मंदिर के बाहर लंबी–लंबी कतारें लग गई थीं। दूर–दूर से आए भक्त भगवान बांके बिहारी के दर्शन करने के लिए उत्साहपूर्वक बारी का इंतजार कर रहे थे। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में भी काफी भीड़ थी। हर तरफ राधे–राधे और जय श्री कृष्ण के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था।

महीने का दूसरा शनिवार होने से अवकाश का दिन था, इसलिए सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। कई परिवार, युवा, बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी दर्शन के लिए आए थे। मंदिर प्रशासन और पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की थी। बैरिकेडिंग, सुरक्षा जांच और कतार प्रबंधन की उचित व्यवस्था की गई थी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्वयंसेवक भी लोगों की सहायता करते हुए दिखाई दिए।

गर्मी और भीड़ के बावजूद कम नहीं था श्रद्धालुओं का उत्साह

भीड़ अधिक होने के कारण दर्शन करने में काफी समय लग रहा था। कई श्रद्धालुओं को घंटों तक कतार में खड़ा रहना पड़ा, फिर भी उनके चेहरे पर भगवान के दर्शन की खुशी और आस्था स्पष्ट दिखाई दे रही थी। मंदिर के आसपास स्थित दुकानों पर भी अच्छी–खासी रौनक रही। श्रद्धालुओं ने प्रसाद, फूल–मालाएं, धार्मिक पुस्तकें और अन्य पूजा सामग्री की खरीदारी की। मंदिर के बाहर यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी लगातार अपनी ड्यूटी निभाते रहे। कई स्थानों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया था, लेकिन प्रशासन ने स्थिति को संभालने का पूरा प्रयास किया। गर्मी और भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

राधा रानी तीन वन परिक्रमा में उमड़ी भीड़

यूनिक समय, मांट। ब्रजभूमि में राधा रानी के प्रति अगाध श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। पिछले 31 महीनों से बिना किसी अवरोध के अनवरत चल रही राधा रानी तीन वन परिक्रमा अपने 32वें सोपान में प्रवेश कर चुकी है। शनिवार को परिक्रमा के 32वें चरण का शुभारंभ मांट तहसील के मुख्य द्वार से हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा क्षेत्र राधे–राधे के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। परिक्रमा की शुरुआत बंसीवट के संत वृंदावन दास के सानिध्य में हुई। सुबह ठीक आठ बजे मांट तहसील के मुख्य द्वार पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित हुए, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और राधा रानी के जयघोष के साथ परिक्रमा शुरु हुई। बंसीवट के संत वृन्दावन दास ने कहा कि महज चंद लोगों के साथ यात्रा शुरू हुई थी । इस तीन वन की परिक्रमा को पूर्ण करने से श्रद्धालुओं को संपूर्ण चौरासी कोस परिक्रमा के समान ही पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में पार्किंग स्टैंड का लोकार्पण

नवनिर्मित पार्किंग स्टैंड का फीता काटकर उद्घाटन करते संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में छात्र–छात्राओं और स्टाफ की सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अत्याधुनिक पार्किंग स्टैंड का लोकार्पण किया गया। संस्थान के चेयरमैन-वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर अग्रवाल ने फीता काटकर नए पार्किंग स्टैंड का शुभारंभ किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि संस्थान में बढ़ती छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए इस पार्किंग स्टैंड का निर्माण कराया गया है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से खड़े किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे कॉलेज परिसर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और मुख्य मार्गों पर अनावश्यक भीड़,जाम की समस्या समाप्त होगी।चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य हमेशा से विद्यार्थियों को आधुनिक, सुरक्षित और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना रहा है। संस्थान के वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल के अनुसार, यह नई सुविधा संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, आने वाले समय में छात्रों एवं कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

छात्रों को मिलेगी बेहतर सुविधा

इस अवसर पर कॉलज के डायरेक्टर प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षकगण, छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

केशीघाट के निकट सड़क पर भरे पानी में होकर निकले श्रद्धालु

यूनिक समय, वृंदावन। योगिनी एकादशी पर श्रद्धालु घरों से नहा धोकर परिक्रमा लगाने के लिए निकले, लेकिन उनको रास्ते में भरे गंदे पानी से होकर निकलना पड़ा। केशीघाट के निकट प्रेम महाविद्यालय के पास परिक्रमा निकास पर पानी भरा होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। दिक्कत तो तब अधिक हो रही थी कि इस पानी में होकर वाहन निकल रहे थे तो पानी उछलते श्रद्धालुओं के कपड़ों को खराब कर रहा था। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग में गंदा पानी भरा होने के कारण आस्था पर चोट पहुंचती है।

कांती देवी मेडिकल कॉलेज की डॉ. ऋचा तिवारी ने फहराया परचम

यूनिक समय, मथुरा। कांती देवी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मथुरा की ऐतिहासिक शैक्षिक परम्परा में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। लखनऊ स्थित अटल बिहारी चिकित्सा विश्वविद्यालय की एमडी–पीडियाट्रिक्स परीक्षा में कांती देवी मेडिकल कॉलेज की मेधावी छात्रा डॉ. ऋचा ज्योतिभूषण तिवारी ने सर्वोच्च अंक हासिल कर समूचे प्रदेश में अपनी मेधा का परचम फहराया है। डॉ. ऋचा तिवारी को 15 जुलाई को विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की विभिन्न विषयों की मेरिट सूची में कांती देवी मेडिकल कॉलेज की पीजी छात्रा डॉ. ऋचा ज्योतिभूषण तिवारी ने एमडी–पीडियाट्रिक्स विषय में सर्वोच्च अंक हासिल किए हैं। 15 जुलाई को

लखनऊके चक गंजरिया स्थित चरक कन्वेंशन सेंटर (ऑडिटोरियम) में होने वाले दूसरे दीक्षांत समारोह में डॉ. ऋचा तिवारी को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस विषय का रजत पदक डॉ. प्रज्ञा माहेश्वरी के गले सजेगा।

मेधावी डॉ. ऋचा तिवारी की इस शानदार उपलब्धि पर के.डी. विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, डीन और प्राचार्य डॉ. रामकुमार अशोका, उप प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि हम युवा पीढ़ी को सिर्फ एमबीबीएस की डिग्री हासिल करते नहीं देखना चाहते। मैं चाहता हूं कि यहां से जो बच्चा पढ़–लिखकर जाए, वह अच्छा सेवाभावी चिकित्सक बनकर समाज में नजीर स्थापित करे।

एमडी–पीडियाट्रिक्स में सर्वोच्च अंक, अब लखनऊ में मिलेगा गोल्ड मेडल

अटल बिहारी चिकित्सा विश्वविद्यालय का 15 जुलाई को होगा दूसरा दीक्षांत समारोह

प्रो. चांसलर मनोज अग्रवाल ने डॉ. ऋचा तिवारी को बधाई देते हुए कहा कि बेटियों का हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन अभिभावकों और समाज की सोच बदलने में सहायक साबित हो रहा है। डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका ने डॉ. ऋचा तिवारी को बधाई देते हुए कहा कि इस शानदार सफलता से कांती देवी मेडिकल कॉलेज अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

मेधावी डॉ. ऋचा ज्योतिभूषण तिवारी इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के प्रोत्साहन और कांती देवी मेडिकल कॉलेज के अनुशासन, प्राध्यापकों के मार्गदर्शन, पारिवारिक माहौल यहां की उच्चस्तरीय शैक्षिक व्यवस्थाओं को देते हुए कहती हैं कि अब उनका लक्ष्य हर बच्चे को निरोगी तथा उसके चेहरे पर मुस्कान लाना है।

थाना समाधान दिवस राया में एसपी ग्रामीण ने सुनी समस्याएं

समाधान दिवस में समस्या सुनते एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत।

छाता कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस में शिकायत सुनते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना समाधान दिवस पर एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने शनिवार को थाना राया पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में कुल आठ शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से तीन शिकायतों का दोनों पक्षों को सुनने के बाद मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। पांच शिकायतों के समाधान के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई।

छाता कोतवाली में लगा समाधान दिवस

रास्ता, अतिक्रमण समेत दर्ज हुईं छह शिकायतें

वहीं छाता में कोतवाली परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को सुना गया। छह शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से अधिकांश मामले जमीनी विवाद और सार्वजनिक रास्तों पर अवैध कब्जे से जुड़े थे।

समाधान दिवस में पहुंचे गांव अलवाई से दिनेश, महेश, निहाली और प्रदीप ने सार्वजनिक रास्तों पर हो रहे अतिक्रमण को शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि कुछ दबंगों द्वारा गांव के मुख्य संपर्क मार्ग पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि रास्ता अतिक्रमण के मामले की जांच के लिए एक टीम गठित कर दी गई है, जो जल्द मौके पर जाकर अवैध कब्जे को हटवाएगी।

उपकास के अलीगढ़ जोन समन्वयक बनने पर अजवेंद्र चौधरी का सम्मान

अजवेंद्र चौधरी का स्वागत करते दि मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन पंजी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। दि मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन (पंजी.), मथुरा द्वारा एक स्थानीय होटल में उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन (उपकास), लखनऊ के 11वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपकास के प्रांतीय अध्यक्ष आरपी यादव ने दि मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एडवोकेट अजवेंद्र चौधरी को अलीगढ़ जोन का प्रांतीय समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) मनोनीत किए जाने पर उनका स्वागत- सम्मान किया।

समारोह में उपकास के प्रांतीय कोषाध्यक्ष एडवोकेट विपिन अग्रवाल, हरेकृष्ण अग्रवाल और गोविंद सोलंकी ने एड. अजवेंद्र चौधरी को पुष्पमाला-अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। अजवेंद्र चौधरी ने कहा कि अलीगढ़ जोन के प्रांतीय समन्वयक की जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। वह संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे, अधिवक्ताओं के हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर विपिन अग्रवाल,मान सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, योगेश वर्मा, राजीव तोमर, हेमंत कुमार चतुर्वेदी, संतोष कुमार भोजवाल, पन्नालाल मंगल, विजय पाल सिंह, हर्शल शर्मा, राम कुमार, गौरांग खंडेलवाल, रमा गोस्वामी, शुभम सिंह, मुकेश खंडेलवाल, तौफीक अहमद, अजीत सिंह, भानु प्रताप, कुमार गौरव, सच्चन सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

वृंदावन में लायंस क्लब मथुरा प्रीमियम का भव्य भजन जैमिंग कार्यक्रम हुआ

कार्यक्रम में मौजूद लायंस क्लब मथुरा प्रीमियम के पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। लायंस क्लब मथुरा प्रीमियम की नवीन कार्यकारिणी द्वारा नए सत्र का शुभारंभ वृंदावन स्थित एक स्थानीय होटल में भव्य भजन जैमिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्ति, संगीत और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला।

शुभारंभ भागवत-रामकथा वाचक कृष्णचंद्र शास्त्री ठाकुर की पत्नी नर्वदा शर्मा ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित-माल्यार्पण कर किया। उन्होंने सभी को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए सेवा और संस्कार के भाव से समाजहित में कार्य करने का संदेश दिया। मुख्य आकर्षण के रूप में रहस्य 'द म्यूजिकल प्रोजेक्ट' की ओर से भजन जैमिंग की मनमोहक प्रस्तुति रही। जनकल्याण के विभिन्न कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था के संरक्षक मोहित चौधरी,सचिन अग्रवाल इंटीरियर,अध्यक्ष देवाशीष अग्रवाल, सचिव लव गुप्ता, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, शुभांशु अग्रवाल,आयुष मित्तल,हेमंत अग्रवाल, नितांशु अग्रवाल,गौरव बंसल आदि उपस्थित रहे।

जिले में शिक्षकों के लिए 14 जुलाई से लगेंगे बैंकिंग शिविर

यूनिक समय, मथुरा। जिले के परिषदीय शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए यह राहत भरी खबर है। अब उन्हें बेहतर बैंकिंग सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 14 से 17 जुलाई तक विशेष बैंकिंग शिविर लगाए जाएंगे। यह शिविर उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त प्रयास से आयोजित किए जा रहे हैं।

बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर शिक्षक और कर्मचारी तक शिविर की जानकारी समय पर पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी इस सुविधा से वंचित न रहे। चार दिन तक चलने वाले ये शिविर सुबह 11:30 बजे से शाम चार बजे तक आयोजित होंगे। 14 जुलाई नौहझील, छाता, मथुरा और वृंदावन,15 जुलाई मांट और गोवर्धन,16 जुलाई फरह, नंदगांव और चौमुहां और 17 जुलाई बलदेव और राया शिविर लगाए जाएंगे।

एसबीआई सैलरी पैकेज से जुड़ेंगे शिक्षक, नए खाते खुलेंगे और पुराने खाते होंगे अपग्रेड

शिविर में शिक्षकों और कर्मचारियों के एसबीआई सैलरी पैकेज खाते खोले जाएंगे। जिनके पहले से एसबीआई में खाते हैं, उन्हें भी सैलरी पैकेज में बदला जाएगा। इससे उन्हें बैंक की कई अतिरिक्त सुविधाएं और सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलेगा।

शिविर में आने वाले शिक्षक और कर्मचारी अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड या कोई अन्य वैध पहचान पत्र, दो पासपोर्ट आकार के फोटो और नवीनतम सैलरी स्लिप जरूर लेकर आएं।

डॉ. शिवम शर्मा ने किया मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण

प्रमुख संवाददाता

डा. शिवम शर्मा

यूनिक समय, आगरा। डॉ. शिवम शर्मा ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी की मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के रूप में पदोन्नति के उपरांत ग्रहण किया है।

डॉ. शर्मा इससे पहले प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उल्लेखनीय है कि मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में शिवम शर्मा की यह दूसरी पारी है। इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2021–22 के दौरान भी इस पद का दायित्व संभाला था।

डॉ शिवम शर्मा ने इसके पूर्व भी वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, उप मुख्य दावा अधिकारी एवं मंडल ट्रैफिक मैनेजर टूंडला जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। डॉ. शिवम शर्मा भारतीय रेलवे यातायात सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी हैं,उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डेंटल सर्जरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

वे उत्तर मध्य रेलवे के ऊर्जावान अधिकारियों में गिने जाते हैं।

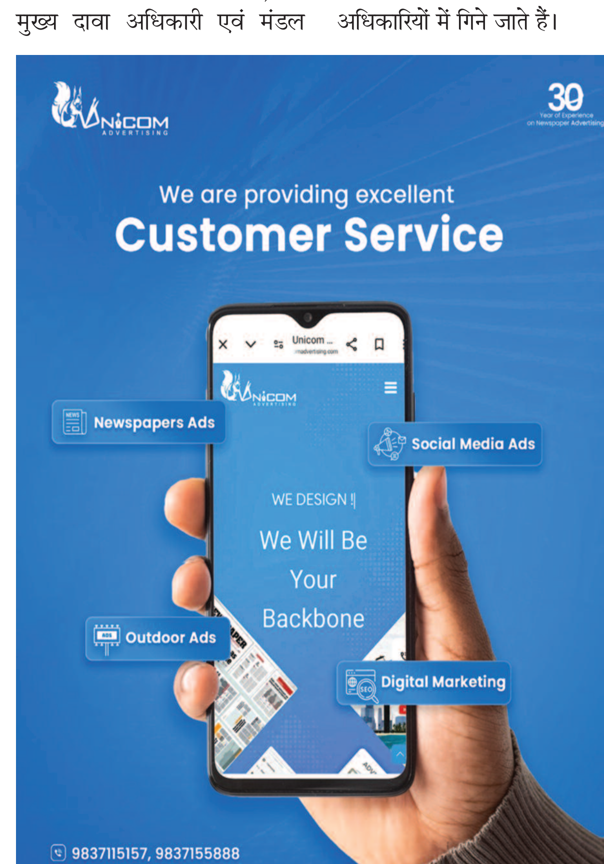

आस्था की डगर पर श्रद्धालुओं ने बढ़ाए पग

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को एकादशी पर धर्मनगरी में सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्म मुहूर्त से ही हजारों भक्तों ने ठाकुर बांके बिहारी, राधारमण, राधा वल्लभ, गोविंद देव और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन–पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने नंगे पांव परिक्रमा करते हुए भगवान के प्रति आस्था और श्रद्धा जताई।

समूचे परिक्रमा मार्ग में काफी भक्त भजन–कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते नजर आए, जबकि कुछ परिवार सहित परिक्रमा कर पुण्य लाभ प्राप्त करने पहुंचे। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने बड़ी संख्या में उत्साह और श्रद्धा के साथ परिक्रमा लगाई।

शनिवार को एकादशी पर परिक्रमा करते श्रद्धालु।

एकादशी के महत्व को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। जगह–जगह पुलिसकर्मी और स्वयंसेवक श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते दिखाई दिए। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई और प्रमुख चौराहों पर यातायात को नियंत्रित किया गया।

एकादशी पर परिक्रमा को उमड़े श्रद्धालु लगाए गए भंडारे

नगर निगम और सामाजिक संस्थाओं की ओर से पेयजल, चिकित्सा सहायता और सफाई की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

परिक्रमा मार्ग में कई स्थानों पर धार्मिक संस्थाओं और समाजसेवी संगठनों ने भंडारों का आयोजन किया, जहां श्रद्धालुओं को फलाहार, शीतल जल और अन्य प्रसाद वितरित किया गया।

सुविचार

खामोशी का भी अपना एक अलग शोर होता है।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	02:04-10:30 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा	08:29-05:41 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:36 AM	चन्द्रोदय	02:45 AM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	05:30 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:57AM -12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:31 PM: 07:13 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार में सहयोग व प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृषभ: धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। मेहनत से सफलता मिलेगी, रिश्तों में मधुरता आएगी और नई योजनाओं में प्रगति होगी।

मिथुन: आज बातचीत और निर्णयों में संतुलन रखें। करियर में सुधार के संकेत हैं, यात्रा लाभदायक रहेगी और मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क: परिवार का सहयोग मिलेगा, कार्यों में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और सकारात्मक सोच से लाभ प्राप्त होगा।

सिंह: नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी, मान–सम्मान बढ़ेगा और आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे।

कन्या: आज योजनाओं को पूरा करने का समय है। मेहनत सफल होगी, धन लाभ मिलेगा और परिवार में खुशियां बढ़ेंगी।

तुला: नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति सुधरेगी और रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक: धैर्य और मेहनत से सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण फैसलों में सावधानी रखें, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और अवसर प्राप्त होंगे।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में उन्नति होगी, यात्रा के योग बनेंगे और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर: जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, आर्थिक मामलों में लाभ होगा और परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ: नई योजनाओं में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा, करियर में प्रगति होगी और पुराने कार्य पूरे होंगे।

मीन: कल आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे, परिवार में सुख–शांति रहेगी और मन शांत रहेगा।

गुप्त दान: सही पात्र को दान देना सबसे बड़ा पुण्य

गुप्त दान में छिपा है अहंकार का त्याग

दान देता है मानसिक संतुष्टि

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में दान को केवल धन या वस्तु का त्याग नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और करुणा का प्रतीक माना गया है। सनातन परंपरा में दान की महिमा का वर्णन धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। मान्यता है कि निस्वार्थ भाव से किया गया दान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आत्मिक संतोष लेकर आता है।

शास्त्रों में दान के कई प्रकार बताए गए हैं, लेकिन गुप्त दान को सबसे श्रेष्ठ माना गया है। गुप्त दान का अर्थ है कि व्यक्ति बिना किसी दिखावे, प्रचार या सम्मान की इच्छा के जरूरतमंद की सहायता करे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब दान में अहंकार का भाव समाप्त हो जाता है, तब उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। आज के समय में कई लोग अपनी सहायता या दान को सार्वजनिक करते हैं, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से दान का उद्देश्य प्रसिद्धि हासिल करना नहीं, बल्कि किसी के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने से समाज में सहयोग और समानता की भावना मजबूत होती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी दूसरों की मदद करना व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। किसी की परेशानी दूर करने से मिलने वाला संतोष व्यक्ति के भीतर सकारात्मक भाव पैदा करता है। यह तनाव कम करने और मन को शांत रखने में सहायक हो सकता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अन्न दान, विद्या दान और अभय दान का विशेष महत्व है। भूखे व्यक्ति को भोजन देना, किसी को शिक्षा देना या भय और परेशानी से जूझ रहे व्यक्ति को सहारा देना भी महान सेवा मानी गई है। दान की वास्तविक भावना यही है कि सहायता करते समय व्यक्ति के मन में विनम्रता और करुणा बनी रहे। अपनी क्षमता के अनुसार किया गया छोटा दान भी समाज और मानव जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। गुप्त दान इसी भावना को मजबूत करता है कि सेवा का मूल्य प्रशंसा में नहीं, बल्कि किसी के चेहरे पर आई खुशी में होता है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सूर्यास्त बाद पड़ोसी को नमक देना क्यों माना जाता है अशुभ?

सूर्यास्त बाद हल्दी और धन देने से परहेज

ज्योतिष में कुछ वस्तुओं का दान माना गया अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में दान को पुण्य और सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। मान्यता है कि जरूरतमंद की सहायता करने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जीवन में शुभ फल प्राप्त होते हैं। हालांकि धार्मिक परंपराओं और ज्योतिष मान्यताओं में दान के समय और वस्तु का भी विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि हर वस्तु का संबंध किसी न किसी ग्रह और ऊर्जा से होता है, इसलिए दान करते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्यास्त के बाद कुछ वस्तुओं का दान करने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि शाम का समय मां लक्ष्मी के आगमन का समय होता है। ऐसे में घर की समृद्धि और सुख से जुड़ी वस्तुओं को बाहर देने से सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है।

नमक को राहु और चंद्रमा से जुड़ा माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्यास्त के बाद नमक का दान करने से घर में नकारात्मक प्रभाव बढ़ सकता है और आर्थिक परेशानियां आने की आशंका रहती है।

इसी तरह चावल, दूध और अन्य सफेद वस्तुओं का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। इसलिए इनका दान भी दिन के समय करना अधिक शुभ माना जाता है।

हल्दी का संबंध देवगुरु बृहस्पति से माना जाता है। मान्यता है कि शाम के समय हल्दी का दान करने से गुरु ग्रह कमजोर हो सकते हैं, जिससे शिक्षा, करियर और पारिवारिक जीवन पर असर पड़ सकता है। इसी तरह सोना, धन और अन्न जैसी समृद्धि से जुड़ी वस्तुओं का दान भी सूर्यास्त के बाद करने से बचने की परंपरा है।

हालांकि शनि से संबंधित वस्तुओं जैसे काले तिल, सरसों का तेल और उड़द दाल का दान शनिवार की शाम शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दान हमेशा श्रद्धा, सेवा भाव और सही उद्देश्य से करना चाहिए। ये सभी बातें ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं की गई है।

भौमवती अमावस्या पर करें यह उपाय, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। इस वर्ष भौमवती अमावस्या 14 जुलाई को मनाई जाएगी। जब अमावस्या तिथि मंगलवार के दिन पड़ती है, तो उसे भौमवती अमावस्या कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन स्नान, दान, पूजा और मंत्र जाप करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। मंगल ग्रह का एक नाम भौम होने के कारण इस अमावस्या का महत्व और बढ़ जाता है।

मान्यता है कि भौमवती अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। स्नान के बाद जल अर्पित कर पितरों का स्मरण करना शुभ माना जाता है। इस दिन श्राद्ध, दान और जरूरतमंदों की सहायता करने की भी परंपरा है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इस दिन हनुमान जी की पूजा करना लाभकारी माना जाता है। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ और

14 जुलाई को विशेष संयोग मंगल-केतु दोष शांति के लिए

कर्ज मुक्ति और सुख-समृद्धि के लिए करें पूजा-अर्चना

मंत्र जाप करने से मंगल और केतु के अशुभ प्रभाव कम होने की मान्यता है।

भौमवती अमावस्या की शाम हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाने और सिंदूर अर्पित करने की परंपरा है। इसके अलावा बूंदी या बेसन के लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में बांटना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आर्थिक परेशानियों और कर्ज से राहत के लिए इस दिन ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का पाठ करना लाभकारी माना जाता है। हालांकि ये सभी उपाय धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

चाणक्य के पांच मंत्र, स्टार्टअप सफलता का खोलेंगे रास्ता

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में स्टार्टअप शुरू करना केवल एक नया बिजनेस शुरू करना नहीं, बल्कि लगातार बदलते बाजार में खुद को साबित करने की चुनौती भी है। एक अच्छा आइडिया सफलता की पहली सीढ़ी जरूर हो सकता है, लेकिन उसे सफल व्यवसाय में बदलने के लिए सही रणनीति, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और समय पर लिए गए फैसले सबसे अधिक मायने रखते हैं। यही वजह है कि सदियों पहले आचार्य चाणक्य द्वारा बताए गए सिद्धांत आज भी आधुनिक उद्यमियों के लिए उतने ही प्रासंगिक माने जाते हैं।

चाणक्य नीति के अनुसार किसी भी महत्वपूर्ण योजना को समय से पहले सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। यदि कोई उद्यमी अपनी पूरी रणनीति पहले ही साझा कर देता है, तो प्रतिस्पर्धी उसका

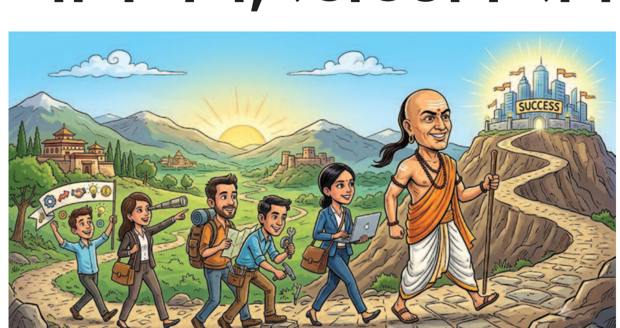

लाभ उठा सकते हैं। इसलिए व्यापार में गोपनीयता और सही समय पर कदम उठाना सफलता का महत्वपूर्ण आधार माना गया है।

चाणक्य ने ज्ञान को सबसे बड़ी शक्ति बताया है। उनका मानना था कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। आज के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भी यही सिद्धांत पूरी तरह लागू होता है। नई तकनीक, बदलते बाजार, ग्राहकों की पसंद और डिजिटल नवाचार को समझने के लिए लगातार सीखते रहना जरूरी है।

जो उद्यमी समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता, वह प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट सकता है। किसी भी स्टार्टअप की सफलता केवल उसके संस्थापक पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसकी

सही रणनीति से कारोबार पाता नई ऊंचाइयां हमेशा

टीम और धैर्य सफलता की असली पूंजी

टीम पर भी टिकी होती है। चाणक्य ने योग्य और विश्वसनीय सहयोगियों के चयन पर विशेष जोर दिया है। सही बिजनेस पार्टनर, सक्षम कर्मचारी और ईमानदार टीम किसी भी कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है, जबकि गलत लोगों का चयन पूरे कारोबार को संकट में डाल सकता है। व्यापार की दुनिया में कई बार कठिन और अप्रिय निर्णय भी लेने पड़ते हैं। चाणक्य का संदेश है कि परिस्थितियों के अनुसार विवेकपूर्ण निर्णय लेना ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है। भावनाओं के बजाय तथ्यों और दूर दृष्टि के आधार पर लिए गए फैसले लंबे समय में बेहतर परिणाम देते हैं।

स्टार्टअप की यात्रा कभी भी पूरी तरह आसान नहीं होती। आर्थिक चुनौतियां, बाजार की प्रतिस्पर्धा और शुरुआती असफलताएं लगभग हर उद्यमी के सामने आती हैं। चाणक्य नीति सिखाती है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि अनुभव का सबसे बड़ा शिक्षक है। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ता है, वही अंततः सफलता की नई कहानी लिखता है। इसलिए आज के उद्यमियों के लिए चाणक्य के सिद्धांत केवल इतिहास नहीं, बल्कि आधुनिक व्यवसाय का व्यावहारिक मार्गदर्शन भी हैं।

सम्पादकीय

सुविधा की प्लास्टिक आदत पड़ रही पर्यावरण पर भारी

प्लास्टिक बड़ा अजीब जीव है। इसे हमने सुविधा के नाम पर घर बुलाया था, लेकिन अब यह ऐसा मेहमान बन चुका है जो जाने का नाम ही नहीं लेता। सुबह दूध की थैली से दिन शुरू होता है, दोपहर में पैकिंग वाला खाना आता है, शाम को ऑनलाइन खरीदारी का प्लास्टिक घर पहुंच जाता है और रात तक कूड़ेदान भर जाता है। फिर अगले दिन हम पर्यावरण बचाने पर लंबा भाषण भी दे देते हैं। यानी प्लास्टिक से दोस्ती भी हमारी और शिकायत भी हमारी।

विडंबना देखिए, हम पेड़ लगाने के अभियान में प्लास्टिक की बोतल लेकर जाते हैं, पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के बैनर लगाते हैं और कपड़े के थैले का महत्व सोशल मीडिया पर लिखते हुए ऑनलाइन मंगाए गए प्लास्टिक पैकेट खोलते रहते हैं। यह ऐसा विरोधाभास है, जिस पर प्रकृति भी शायद मुस्कुरा रही होगी।

पवन गौतम
संपादक

दुनिया का हाल भी कम दिलचस्प नहीं है। कुछ विकसित देश पहले भरपूर प्लास्टिक इस्तेमाल करते हैं, फिर अपना कचरा दूसरे देशों के हवाले कर खुद को पर्यावरण का सबसे बड़ा प्रहरी घोषित कर देते हैं। यानी गंदगी अपनी, लेकिन सफाई का बोझ किसी और के सिर। यह ठीक वैसा ही है जैसे पड़ोसी के आंगन में कूड़ा फेंककर अपने घर के सामने "स्वच्छता अभियान" का बोर्ड लगा दिया जाए।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

भारत में भी स्थिति अलग नहीं है। एक ओर सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध की बातें होती हैं, दूसरी ओर बाजार में प्लास्टिक की थैलियां पहले की तरह आसानी से मिल जाती हैं। नियम बनते हैं, अभियान चलते हैं, जुर्माने भी लगते हैं, लेकिन सुविधा के सामने संकल्प अक्सर छोटा पड़ जाता है। आखिर पांच रुपये का कपड़े का थैला खरीदने में जो हिचक होती है, वही बाद में करोड़ों रुपये की सफाई योजनाओं में बदल जाती है। सच यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा कारखाना हमारी आदतें हैं। जब तक उपभोक्ता सुविधा को जिम्मेदारी से बड़ा मानता रहेगा, तब तक कोई कानून, कोई मशीन और कोई अभियान इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन सकता। सरकार सख्ती करे, उद्योग बेहतर विकल्प लाएं और वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें, लेकिन यदि नागरिक अपनी जीवनशैली नहीं बदलेंगे तो यह लड़ाई अधूरी ही रहेगी।

शायद अब समय आ गया है कि हम पर्यावरण बचाने के भाषणों से आगे बढ़ें और अपने हाथ में पकड़ी प्लास्टिक की थैली को भी देखें। क्योंकि पृथ्वी को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से कम और उसे छोड़ने की हमारी अनिच्छा से ज्यादा है। आने वाली पीढ़ियां हमसे यही पूछेंगी-प्लास्टिक सचमुच इतना जरूरी था या हमारी आदतें उससे भी ज्यादा मजबूत थीं?

नजरिया

ब्रह्मपुत्र महाबांध पर चीन को वैज्ञानिकों से मिली गंभीर चेतावनी

बोध प्रकाश सगुणी

चीन ने तिब्बत में यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने का संकल्प लिया है। यही नदी भारत में प्रवेश करते ही ब्रह्मपुत्र कहलाती है और पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा मानी जाती है। इस परियोजना को चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी क्षमता का प्रतीक बता रहा है। लेकिन अब इस महत्वाकांक्षी योजना पर सबसे गंभीर सवाल किसी विदेशी विशेषज्ञ ने नहीं, बल्कि चीन के अपने वैज्ञानिकों ने उठाए हैं। यदि सरकारी संस्थानों से जुड़े भूवैज्ञानिक किसी परियोजना के भूगर्भीय जोखिमों को सार्वजनिक रूप से रेखांकित कर रहे हैं, तो यह संकेत सामान्य नहीं माना जा सकता। यह केवल इंजीनियरिंग की चुनौती नहीं, बल्कि पर्यावरण, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन से जुड़ा विषय बन चुका है।

बताया गया है कि प्रस्तावित महाबांध जिस क्षेत्र में बनाया जा रहा है, वहां पैंझेन भ्रंश रेखा सक्रिय है। हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल है और यहां भारतीय तथा यूरेशियाई विवर्तनिक प्लेटों की लगातार टक्कर भूगर्भीय गतिविधियों को जन्म देती रहती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस सक्रिय भूभाग में चट्टानों की मजबूती पहले से कमजोर है और जलाशय बनने के बाद पानी का अत्यधिक दबाव, लगातार भूकंपीय गतिविधियां तथा ढलानों की अस्थिरता बड़े भूस्खलन या संरचनात्मक संकट का कारण बन सकती हैं। यदि ऐसी आशंकाएं निर्माण शुरू होने से पहले ही सामने आ रही हैं, तो उन्हें केवल तकनीकी टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह परियोजना केवल चीन का आंतरिक मामला भी नहीं है। यारलुंग सांगपो नदी आगे चलकर भारत और फिर बांग्लादेश की जीवनदायिनी नदी बनती है। इसलिए इसके ऊपरी हिस्से में होने वाला कोई भी बड़ा निर्माण निचले प्रवाह वाले देशों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकता है। ब्रह्मपुत्र का जल पूर्वोत्तर भारत की कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन, जलविद्युत उत्पादन और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। यदि किसी कारण जल प्रवाह में असामान्य परिवर्तन होता है या किसी प्राकृतिक आपदा से बांध प्रभावित होता है, तो उसके परिणाम सीमाओं के भीतर नहीं रुकेंगे।

भारत की चिंता केवल संभावित बाढ़ तक सीमित नहीं है। जल संसाधन आज वैश्विक रणनीतिक शक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम बनते जा रहे हैं। सीमा पार बहने वाली नदियों पर ऊपरी देशों का नियंत्रण निचले देशों की जल सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। चीन बार-बार यह कहता रहा है कि उसका उद्देश्य केवल बिजली उत्पादन है, लेकिन इतने विशाल जलाशय और जल प्रवाह नियंत्रण की क्षमता अपने आप में एक सामरिक आयाम जोड़ देती है। इसलिए भारत के लिए यह विषय पर्यावरण और ऊर्जा के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। हालांकि यह भी आवश्यक है कि किसी भी चर्चा में अतिशयोक्ति से बचा जाए। "वॉटर बम" जैसे शब्द जनभावनाओं को प्रभावित करते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति का आकलन वैज्ञानिक तथ्यों, तकनीकी विश्लेषण और अंतरराष्ट्रीय जल कानूनों के आधार पर होना चाहिए। किसी बांध का अस्तित्व अपने आप में विनाश का संकेत नहीं होता, लेकिन यदि वह सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित हो और विशेषज्ञ उसकी स्थिरता पर प्रश्न उठाएं, तो जोखिम का गंभीर मूल्यांकन अनिवार्य हो जाता है। यही संतुलित दृष्टिकोण नीति निर्माण में सबसे अधिक उपयोगी साबित होगा।

हिमालय केवल पर्वतों का समूह नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया की जलवायु, जैव विविधता और नदी तंत्र का आधार है। यहां होने वाले बड़े निर्माण कार्यों का प्रभाव कई देशों तक पहुंच सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का पिघलना, अत्यधिक वर्षा, बादल फटना और भूस्खलन जैसी घटनाएं पहले ही बढ़ रही हैं। ऐसे समय में विशाल जलाशयों और मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की सुरक्षा और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। इसलिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन पहले से कहीं अधिक आवश्यक है।

भारत लंबे समय से सीमा पार नदियों के संबंध में अधिक पारदर्शिता, समय पर जल संबंधी आंकड़ों के आदान-प्रदान और आपसी परामर्श की मांग करता रहा है। अंतरराष्ट्रीय नदियों पर विश्वास और सहयोग की भावना ही संभावित विवादों को कम कर सकती है। यदि चीन वास्तव में इस परियोजना को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल मानता है, तो उसे वैज्ञानिक आंकड़े, सुरक्षा मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी साझा करने में संकोच नहीं होना चाहिए। पारदर्शिता किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय परियोजना की विश्वसनीयता बढ़ाती है।

भारत को भी केवल आशंका व्यक्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। ब्रह्मपुत्र बेसिन की वास्तविक समय निगरानी, आधुनिक उपग्रह प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बाढ़ पूर्वानुमान, भूकंपीय अध्ययन, जल प्रवाह विश्लेषण और पूर्वोत्तर राज्यों की आपदा प्रबंधन क्षमता को और मजबूत करना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही बांग्लादेश जैसे साझेदार देशों के साथ वैज्ञानिक सहयोग और क्षेत्रीय जल कूटनीति को भी नई गति देने की जरूरत है। साझा नदियों की सुरक्षा केवल एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक जिम्मेदारी होती है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि प्रकृति के नियम किसी राजनीतिक सीमा को नहीं मानते। यदि किसी संवेदनशील भूभाग में विकास परियोजनाएं वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी करके आगे बढ़ाई जाती हैं, तो उनका प्रभाव सीमाओं से कहीं आगे तक पहुंच सकता है। इसलिए विकास की वास्तविक सफलता केवल परियोजना की विशालता में नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और क्षेत्रीय विश्वास में निहित होती है। चीन के वैज्ञानिकों की चेतावनी को इसी व्यापक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है।

ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की संस्कृति, अर्थव्यवस्था और भविष्य की धुरी है। इसलिए इस नदी से जुड़े किसी भी बड़े निर्णय में विज्ञान, पारदर्शिता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यदि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो उसका मूल्य केवल एक देश नहीं, बल्कि पूरा दक्षिण एशिया चुका सकता है। यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी संदेश है।

विचार विंडो

आस्था बचानी है तो हिसाब भी पवित्र रखिए हमेशा

बोध प्रकाश सगुणी

मथुरा और वृंदावन केवल धार्मिक नगर नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। यहां मंदिरों की घंटियां केवल पूजा का संकेत नहीं देतीं, बल्कि विश्वास की ध्वनि भी होती हैं। श्रद्धालु जब दानपात्र में चढ़ावा डालते हैं तो वे केवल रुपये नहीं, अपना विश्वास भी अर्पित करते हैं। इसलिए मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं से जुड़ा हर आर्थिक निर्णय सामान्य प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि आस्था की कसौटी बन जाता है। यही कारण है कि जब भी किसी मंदिर, आश्रम या धार्मिक संस्था के धन को लेकर विवाद सामने आता है, तो सबसे बड़ी चोट श्रद्धालुओं के मन पर लगती है।

धर्म का सबसे बड़ा आकर्षण त्याग रहा है, संग्रह नहीं। लेकिन जैसे-जैसे धार्मिक संस्थाओं का आकार बढ़ा, चढ़ावे की रकम करोड़ों तक पहुंची और व्यवस्थाएं विशाल होती गईं, वैसे-वैसे संतों की परीक्षा भी कठिन होती चली गई। आखिर लक्ष्मी वहां पहुंच गईं, जहां कभी केवल भक्ति और वैराग्य का वास माना जाता था। समस्या धन में नहीं, बल्कि धन के साथ आने वाले मोह, विवाद और आरोपों में है।

व्यंग्य यह है कि जो संत संसार छोड़ने का संदेश देते हैं, उन्हें आज ऑडिट, टेंडर, बैंक खाते, सीसीटीवी और हिसाब-किताब की फाइलों से भी गुजरना पड़ रहा है। कभी साधु की पहचान कमंडल और चिमटे से होती थी, आज उसके सामने बैलेंस शीट, भुगतान रजिस्टर और डिजिटल लेनदेन की चुनौतियां भी खड़ी हैं। समय बदल गया है, इसलिए केवल तपस्या नहीं, पारदर्शिता भी उतनी ही जरूरी हो गई है।

मथुरा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। श्रीकृष्ण की नगरी में हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु आते हैं और मंदिरों में करोड़ों रुपये का चढ़ावा चढ़ता है। यह धन समाज की श्रद्धा का प्रतीक है, किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं। यदि इसके उपयोग को लेकर जरा भी संदेह पैदा होता है, तो चर्चा मंदिर से निकलकर पूरे देश में पहुंच जाती है। फिर चाहे आरोप सही साबित हों या नहीं, आस्था पर लगा धब्बा आसानी से नहीं मिटता।

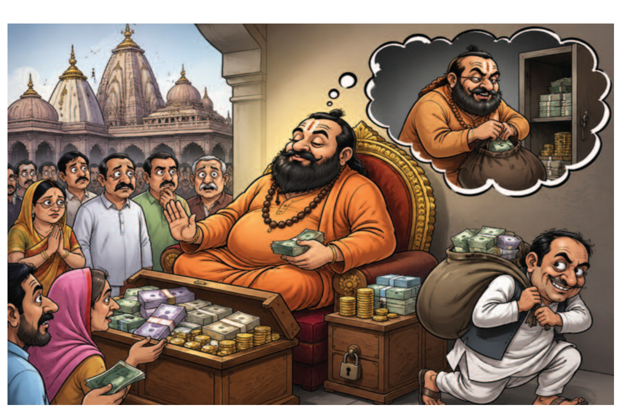

कहावत है कि "दूध में नींबू की एक बूंद पूरी हांडी फाड़ देती है।" धार्मिक संस्थाओं में भी यही स्थिति है। वर्षों की तपस्या और सेवा पर एक छोटी-सी वित्तीय लापरवाही भारी पड़ सकती है। कई बार गलती से ज्यादा नुकसान उस गलती की चर्चा कर देती है। सोशल मीडिया के दौर में तो आधी जानकारी भी पूरे विश्वास को हिला देती है।

तुलसीदास ने लिखा-"सब नर कल्पित करहिं अचारा।" यानी मनुष्य अपने अनुसार आचरण करने लगता है।

शायद इसी कारण धर्म में नियमों और अनुशासन को सर्वोच्च स्थान दिया गया। जहां धन आए, वहां पारदर्शिता उससे भी अधिक आनी चाहिए। क्योंकि धन का हिसाब नहीं होगा तो सवाल केवल पैसों पर नहीं उठेंगे, बल्कि संत की नीयत पर भी उठेंगे।

आज धार्मिक संस्थाओं को यह समझना होगा कि श्रद्धालु केवल दर्शन करने नहीं आता, वह भरोसा लेकर आता है। उसे यह विश्वास चाहिए कि उसकी भेंट समाज, सेवा और धर्मकार्य में ही लगेगी। इसलिए मंदिरों में आधुनिक लेखा प्रणाली, स्वतंत्र ऑडिट, डिजिटल भुगतान, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और पारदर्शी प्रशासन अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुके हैं।

व्यंग्य यह भी है कि कई बार मंदिरों में भगवान की आरती समय पर हो जाती है, लेकिन आय-व्यय का हिसाब वर्षों तक पूरा नहीं हो पाता। श्रद्धालु दान करते समय रसीद नहीं मांगता, क्योंकि वह भगवान पर भरोसा करता है। लेकिन व्यवस्था चलाने वालों का दायित्व है कि उस भरोसे को कभी टूटने न दें। आस्था का बैंक विश्वास पर चलता है, नकदी पर नहीं।

मथुरा की पहचान केवल मंदिरों से नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक संस्कृति से है जिसने दुनिया को प्रेम, सेवा और निष्काम कर्म का संदेश दिया। यदि इसी नगरी में धन से जुड़े विवाद सुर्खियां बनें, तो यह पूरे धार्मिक समाज के लिए आत्ममंथन का विषय होना चाहिए। संत का सबसे बड़ा आभूषण उसका चरित्र है, न कि संस्था की संपत्ति।

धर्म की रक्षा केवल प्रवचनों से नहीं होती, बल्कि व्यवहार से होती है। आज के दौर में साधु का त्याग उतना ही महत्वपूर्ण है जितनी उसकी जवाबदेही। जितना बड़ा मंदिर होगा, उतनी ही बड़ी पारदर्शिता की अपेक्षा भी होगी। क्योंकि श्रद्धालु दान भगवान को देता है, लेकिन उसका हिसाब समाज मांगता है।

आखिरकार, संत का जीवन केवल पूजा का नहीं, बल्कि उदाहरण का विषय होता है। यदि वह धन के बीच रहकर भी निष्कलंक रहता है, तभी उसका संदेश प्रभावी बनता है। मथुरा की धरती सदियों से यही सिखाती आई है कि श्रीकृष्ण ने संपत्ति नहीं, धर्म और कर्तव्य को सर्वोच्च माना। इसलिए मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति सोना-चांदी नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है। एक बार यह विश्वास टूट गया, तो उसे लौटाने में वर्षों की तपस्या भी कम पड़ सकती है।

रोज बाउल में पहले बल्लेबाजी बनी जीत की चाबी, रिकॉर्ड ने खोला बड़ा राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी 20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को रोज बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज में इंग्लैंड पहले ही अजेय बढ़त बना चुका है, लेकिन टीम इंडिया के लिए यह मुकाबला सम्मान बचाने के साथ–साथ आईसीसी टी 20 रैंकिंग में अपनी स्थिति मजबूत रखने के लिहाज से भी बेहद अहम है। ऐसे में सभी की निगाहें साउथैम्प्टन की पिच पर टिकी हैं, जहां का रिकॉर्ड पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में नजर आता है। रोज बाउल की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। शुरुआती ओवरों में गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आती है, जिससे बड़े स्कोर बनने की

संभावना रहती है। हालांकि नई गेंद से तेज गेंदबाजों को कुछ स्विंग जरूर मिल सकती है, लेकिन जैसे–जैसे मैच आगे बढ़ता है, बल्लेबाजी आसान होती जाती है। इस सीजन टी 20 ब्लास्ट में इस मैदान पर खेले गए मुकाबलों में पहली पारी का औसत स्कोर करीब 174 रन रहा है। कई टीमों ने 170 से 200 रन के बीच का स्कोर बनाकर सफलतापूर्वक उसका बचाव भी किया है। यही वजह है कि टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। रोज बाउल में अब तक 13 टी 20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इनमें 9 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम

रोज बाउल में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम का पलड़ा भारी

विजेता बनी, जबकि सिर्फ 4 बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को सफलता मिली। यह आंकड़ा साफ संकेत देता है कि यहां बड़ा स्कोर खड़ा करना जीत की मजबूत नींव साबित हो सकता है। भारत का इस मैदान पर भी अच्छा रिकॉर्ड रहा है। वर्ष 2022 में टीम इंडिया ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बनाए थे और मुकाबला 50 रन से अपने नाम किया था। दूसरी ओर कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'राख' की सफलता पर बोले अली फजल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता अली फजल इन दिनों अपनी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'राख' को मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स से बेहद खुश हैं। सीरीज में उनके निभाए एसआई जयप्रकाश जाटव के किरदार की दर्शक और समीक्षक जमकर तारीफ कर रहे हैं। दुनिया भर में प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन–इंग्लिश सीरीज बनने के बाद अली फजल ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर फैन्स का दिल से आभार जताया। अली फजल ने लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों में उन्हें दुनिया भर से ढेरों संदेश मिले हैं, जिन्हें पढ़कर उनका दिल खुशी से भर गया। उन्होंने कहा कि दर्शकों ने उनके किरदार की कमियों, खामोशी, डर

फैन्स के प्यार से गदगद अली फजल

और सादगी को भी अपनाया, जिसके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगे। अली के मुताबिक, किसी कलाकार की सबसे बड़ी सफलता तब होती है, जब उसका निभाया किरदार लोगों के दिलों में अपनी जगह बना ले। 'राख' की कहानी 1978 के चर्चित रंगा–बिल्ला केस से प्रेरित है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। 1970 के दशक की दिल्ली की पृष्ठभूमि पर बनी यह इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर अपराध, जांच और इंसानी भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से पेश करती है। सीरीज का निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है। इसमें अली फजल के साथ सोनाली बेंद्रे, आमिर बशीर, आकाश मखीजा, राकेश बेदी, दिब्येंदु भटटाचार्य सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

10 हजार गीतों के जादूगर थे अविनाश व्यास

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत में कई दिग्गजों ने अपनी अमिट छाप छोड़ी, लेकिन अविनाश व्यास का नाम उन चुनिंदा संगीतकारों में शामिल है जिन्होंने अपने करियर में 10 हजार से अधिक गीत लिखे और संगीतबद्ध किए। उन्होंने हिंदी के साथ–साथ गुजराती सिनेमा में भी शानदार योगदान दिया और लगभग 190 गुजराती फिल्मों को अपना संगीत दिया। अविनाश व्यास की रचनाओं को मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, मुकेश, मन्ना डे, आशा भोंसले, किशोर कुमार, तलत महमूद और गीता दत्त जैसे दिग्गज गायकों ने अपनी आवाज दी। उनके लोकप्रिय गीतों में पोलम पोल, मेहंदी ते ववी मालवे और जा रे बादल जा जैसे सदाबहार गाने शामिल हैं, जिन्हें आज भी संगीत प्रेमी पसंद करते हैं। 1912 में गुजरात में जन्मे अविनाश व्यास ने उस्ताद अलाउद्दीन खान से

संगीत की शिक्षा प्राप्त की। उन्हें पहली बड़ी सफलता वर्ष 1948 में रिलीज हुई फिल्म 'गुणसुंदरी' से मिली, जो हिंदी और गुजराती दोनों भाषाओं में बनी थी। फिल्मों के अलावा उन्होंने लोकगीत, भजन और गैर–फिल्मी गीतों की रचना कर भारतीय संगीत को नई पहचान दी। भारतीय संगीत और कला में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1970 में पद्मश्री से सम्मानित किया। आज भी अविनाश व्यास का नाम भारतीय संगीत इतिहास के महान रचनाकारों में सम्मान के साथ लिया जाता है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में टीवी एक्टर रोहित चंदेल गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। छोटे पर्दे के लोकप्रिय अभिनेता और 'पांड्या स्टोर' फेम रोहित चंदेल एक गंभीर कानूनी मामले में फंस गए हैं। 16 वर्षीय नाबालिग लड़की से कथित छेड़छाड़, मारपीट और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। अभिनेता के खिलाफ ढडउरड एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (इठर) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना के सामने आने के बाद टीवी इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग पीड़िता और उसके परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रोहित चंदेल ने लड़की के साथ अनुचित व्यवहार किया। विरोध करने पर कथित रूप से उसके साथ मारपीट की गई और उसे डराने–धमकाने की भी कोशिश की गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू की और उपलब्ध

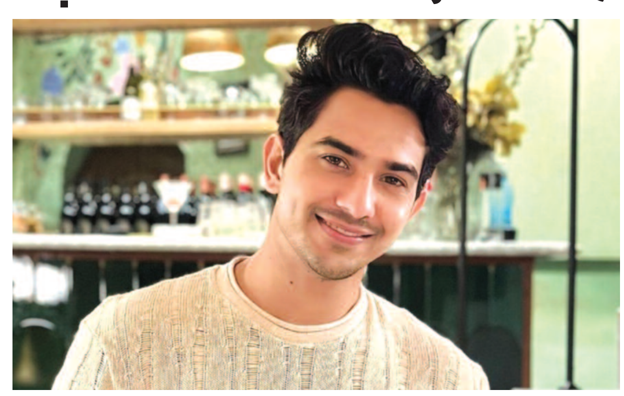

तथ्यों के आधार पर अभिनेता को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। पीड़िता का बयान दर्ज किया जा चुका है और मेडिकल जांच सहित अन्य जरूरी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मोबाइल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और संभावित गवाहों के बयान भी जुटा रही है ताकि मामले के हर पहलू की निष्पक्ष जांच की जा सके। रोहित चंदेल टीवी इंडस्ट्री का जाना–पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने कई धारावाहिकों में काम किया है, लेकिन 'पांड्या स्टोर' से उन्हें सबसे अधिक पहचान मिली। इस खबर के सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों के बीच भी मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि कई लोगों का कहना है कि अदालत का फैसला आने से पहले किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। फिलहाल

पुलिस ने गिरफ्तार कर जांच शुरू की

अदालत में पेशी के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी

अभिनेता या उनकी कानूनी टीम की ओर से आरोपों पर कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। चूंकि मामला नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए जांच से संबंधित कई जानकारियां गोपनीय रखी जा रही हैं।कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ढडउरड एक्ट के तहत दर्ज मामलों में जांच और सुनवाई विशेष प्रक्रिया के तहत होती है तथा पीड़ित की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाता है।

सेमीफाइनल का टिकट पाने के लिए चार दिग्गजों की टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। स्पेन और फ्रांस के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद अब फुटबॉल प्रेमियों की नजरें बाकी दो क्वार्टर फाइनल मुकाबलों पर टिकी हैं। तीसरे क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड और नॉर्वे आमने–सामने होंगे, जबकि चौथे मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सामना स्विट्जरलैंड से होगा। इन दोनों मुकाबलों के विजेता सेमीफाइनल में भिड़ेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ गया है। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच मुकाबला भारतीय समयानुसार 12 जुलाई की देर रात 2:30 बजे खेला जाएगा। यह मुकाबला खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि दुनिया के दो बेहतरीन स्ट्राइकर इर्लिंग हालंद और हेरी केन आमने–सामने होंगे। हालंद अब तक टूर्नामेंट में 7 गोल दाग चुके हैं, जबकि केन के नाम 6 गोल दर्ज हैं। दोनों की फॉर्म शानदार है और मैच का नतीजा काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। हेड–टू–हेड रिकॉर्ड की बात करें तो इंग्लैंड का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमें अब तक

तीन बार भिड़ी हैं, जिनमें इंग्लैंड ने दो मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। हालांकि, फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। ऐसे में मुकाबले को लेकर उत्साह चरम पर है। दूसरी ओर चौथे क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना की टक्कर स्विट्जरलैंड से होगी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सफर इस बार आसान नहीं रहा, लेकिन टीम ने मुश्किल परिस्थितियों में शानदार वापसी की है। दूसरी तरफ स्विट्जरलैंड ने अनुशासित खेल और मजबूत डिफेंस के दम पर क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस मुकाबले में एक बार फिर सबकी निगाहें लियोनल मेसी पर रहेंगी।

अनुभवी मेसी से अर्जेंटीना को बड़ी उम्मीदें हैं। बड़े मुकाबलों में उनका अनुभव टीम के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है। वहीं स्विट्जरलैंड की कोशिश मेसी को रोककर उलटफेर करने की होगी। वर्ल्ड कप इतिहास में अर्जेंटीना और

दोनों मैचों की विजेता टीमें सेमीफाइनल में आमने–सामने होंगी

स्पेन और फ्रांस पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुके हैं

स्विट्जरलैंड दो बार आमने–सामने आए हैं और दोनों बार अर्जेंटीना ने जीत दर्ज की है। वर्ष 1966 में अर्जेंटीना ने 2–0 से जीत हासिल की थी, जबकि 2014 के वर्ल्ड कप में मेसी की टीम ने 1–0 से मुकाबला अपने नाम किया था। अब सभी की निगाहें इन दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों पर हैं। एक ओर हालंद और केन की गोल मशीनें आमने–सामने होंगी, तो दूसरी ओर मेसी अपनी टीम को एक और सेमीफाइनल में पहुंचाने की चुनौती का सामना करेंगे। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह दिन यादगार मुकाबलों से भरपूर रहने वाला है।

12 साल में जीता नेशनल अवॉर्ड आज ऑटो चलाकर कर रहे हैं गुजारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कभी राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर देशभर में पहचान बनाने वाले अभिनेता शफीक सैयद आज ऑटो रिक्शा चलाकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने मीरा नायर की ऑस्कर नामांकित फिल्म 'सलाम बॉम्बे!'में मुख्य बाल कलाकार की भूमिका निभाई थी। इस शानदार अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार) से सम्मानित किया गया था। फिल्म की सफलता के बाद उम्मीद थी कि शफीक का करियर ऊंचाइयों तक पहुंचेगा, लेकिन उन्हें लगातार काम नहीं मिला। कई फिल्म स्टूडियो के चक्कर लगाने के बावजूद अवसर न मिलने पर उन्होंने मुंबई छोड़ दी और अपने घर बेंगलुरु लौट गए। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए उन्होंने ऑटो रिक्शा चलाना शुरू कर दिया। एक पुराने इंटरव्यू में शफीक ने बताया था कि 'सलाम बॉम्बे!' की कहानी उनकी अपनी जिंदगी से काफी मिलती–जुलती थी, इसलिए

फिल्मी दुनिया में सफलता के बावजूद लगातार काम नहीं मिला

अभिनय उन्हें कभी बनावटी नहीं लगा। आज उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि शुरुआती सफलता हमेशा लंबा फिल्मी करियर सुनिश्चित नहीं करती। हालांकि, भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और 'सलाम बॉम्बे!' में निभाया गया किरदार आज भी याद किया जाता है।

रामपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

आईटी कंपनी मालिक समेत चार लोगों की मौत

यूनिक समय, रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आईटी कंपनी मालिक समेत चार युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह करीब पांच बजे हुआ। ईको कार सवार सभी लोग उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट घूमने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक घायल युवक कार के अंदर फंसा हुआ मदद की गुहार लगाता नजर आ रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से

कार को काटकर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान दिल्ली निवासी अभिषेक अग्निहोत्री (30), नीरज (24), गुलबुद्दीन उर्फ सोनू (35) और बागपत निवासी कार्तिक (24) के रूप में हुई है। अभिषेक नोएडा में 'इंडियन शॉप' नाम की आईटी कंपनी चलाते थे। वह अपने कर्मचारियों और दोस्तों के साथ जिम कॉर्बेट पार्क घूमने जा रहे थे। घायलों में अभिषेक के भाई विशाल समेत तीन लोग शामिल हैं। सभी को पहले रामपुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में

उत्तराखंड जा रही कार डीसीएम से टकराई

भीषण टक्कर में तीन युवक गंभीर घायल

मेरठ रेफर किया गया। बाद में परिजन उन्हें दिल्ली ले गए। अभिषेक के दोस्त पदम धीमान ने बताया कि वह अक्सर अपने कर्मचारियों को घूमने ले जाते थे। इस बार भी वीकेंड पर सभी ने उत्तराखंड जाने का प्लान बनाया था। हादसे से पहले कार का टायर पंचर होने के कारण एक साथी वाहन आगे निकल गया था। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और चालक को झपकी आने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

यूपी में बारिश का कहर, नदियां उफनीं, सड़कें डूबीं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। लगातार हो रही बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ने लगे हैं। पश्चिमी यूपी में नदियां उफान पर हैं और कई जगहों पर पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। भारी बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार देर रात लखनऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या समेत कई शहरों में तेज बारिश हुई। शनिवार सुबह तक कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने 13 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट और 27 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। बिजनौर में गंगा और मालन नदी का जलस्तर बढ़ने से कई रास्तों पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलों पर पानी आने के कारण मेरठ-बिजनौर हाईवे और हरिद्वार रोड समेत कई मार्गों को बंद करना पड़ा। हापुड़ में

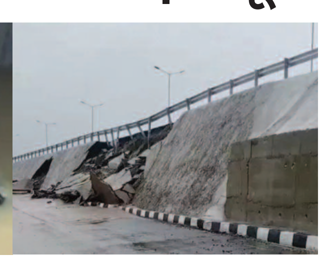

भारी बारिश के बाद अंडरपास में पानी भर गया, जहां एक थार कार डूब गई। बाद में जेसीबी की मदद से वाहन को बाहर निकाला गया। मेरठ में बारिश का असर नेशनल हाईवे पर भी दिखाई दिया। यहां हाईवे की बाउंड्री वॉल धंस गई। वहीं रेलवे अंडरपास में करीब पांच फीट पानी भरने से एक कार डूब गई। कार में फंसे दो युवकों को पुलिस ने रस्सी की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला। बारिश के कारण प्रदेश में पिछले तीन दिनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। गाजियाबाद में सबसे ज्यादा चार लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को

75 जिलों में अलर्ट, भारी बारिश का खतरा

अब तक हादसों में 15 मौतें, प्रशासन सतर्क हुआ

प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्य तेज करने और पीड़ितों को जल्द सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के प्रभाव से यूपी में अगले तीन से चार दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है।

लखनऊ में लैंडिंग से पहले विमान से टकराया पक्षी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले एक विमान से पक्षी टकराने की घटना सामने आई। दुबई से लखनऊ आ रहे विमान एफडी-443 के साथ यह घटना हुई। विमान में 163 यात्री सवार थे, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, विमान जब लखनऊ के नजदीक पहुंचा, तभी एक पक्षी उससे टकरा गया। घटना की जानकारी तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी गई। विमान पहले ही लखनऊ के वायुक्षेत्र में प्रवेश कर चुका था, इसलिए अधिकारियों ने सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए। इसके बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। विमान से पक्षी टकराने की घटनाएं अक्सर उड़ान सुरक्षा के लिए चुनौती मानी जाती हैं। ऐसे मामलों में पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की सतर्कता बेहद महत्वपूर्ण होती है। फिलहाल घटना के बाद विमान की तकनीकी जांच की जा रही है।

यूपी में नई कैब नीति, ड्राइवरों पर सख्ती

बुकिंग रद्द करने पर भरना होगा किराया

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल्द ही नई एग्रीगेटर कैब पॉलिसी लागू होने जा रही है। इस नीति के लागू होने के बाद कैब सेवाओं के संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर कई नए नियम प्रभावी होंगे। परिवहन विभाग ने पॉलिसी का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। नई नीति के तहत कैब कंपनियां यात्रियों से मनमाना किराया नहीं वसूल सकेंगी। परिवहन विभाग की ओर से किराया सीमा तय की जाएगी। पीक आवर में भी कंपनियां निर्धारित किराये से अधिकतम 50 प्रतिशत तक ही बढ़ोतरी कर सकेंगी। पॉलिसी में ड्राइवर और यात्रियों दोनों के लिए नियम तय किए गए हैं। अगर ड्राइवर बुकिंग कैंसिल करता है तो उसे उस ट्रिप का किराया भरना होगा। वहीं यात्री की ओर से बुकिंग रद्द करने पर 100 रुपये का

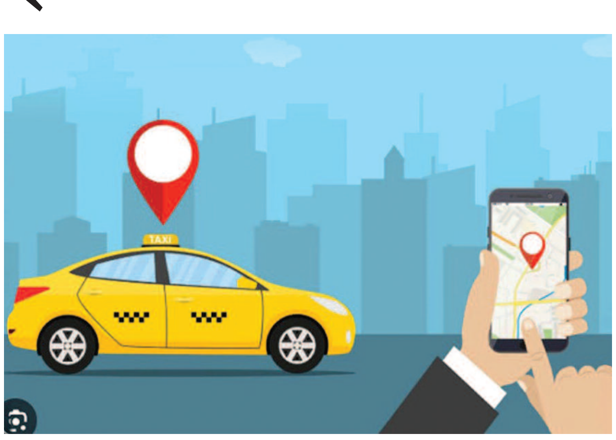

जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा कैब ड्राइवरों को समय पर पहुंचना अनिवार्य होगा। तय समय पर नहीं पहुंचने पर न्यूनतम 100 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। कैब संचालित करने वाली सभी कंपनियों को राज्य सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी होगा। बिना अनुमति संचालन करने पर कार्रवाई की जाएगी। नई नीति में यात्रियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। कैब चालकों के लिए स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस की व्यवस्था की

यात्रियों को मिलेगी बेहतर कैब सेवा सुविधा

जाएगी। ड्राइवरों को न्यूनतम पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस उपलब्ध कराया जाएगा। कैब एग्रीगेटर कंपनियों के लिए लाइसेंस शुल्क पांच लाख रुपये निर्धारित किया गया है। लाइसेंस नवीनीकरण के लिए 25 हजार रुपये शुल्क और सिक्योरिटी डिपॉजिट की व्यवस्था होगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नई नीति से कैब सेवाओं में पारदर्शिता आएगी और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों और चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ छात्रा हत्याकांड में संगीत सोम ने दिलाया भरोसा

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ छात्रा हत्याकांड को लेकर पूर्व विधायक संगीत सोम शनिवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। संगीत सोम ने कहा कि मृतक छात्रा पूरे समाज की बेटी थी और उसके साथ हुई घटना बेहद दुखद है। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दिलाने के लिए पूरी कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पूर्व विधायक ने मुकदमे की मजबूत पैरवी के लिए वकील की फीस में आर्थिक सहायता देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय की लड़ाई में किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। संगीत सोम ने यह भी कहा कि यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी

पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद का ऐलान

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई

चाहिए। उन्होंने लोगों से जांच प्रक्रिया पर भरोसा रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपराधी की पहचान उसके अपराध से होती है, न कि जाति या धर्म से। छात्रा को न्याय दिलाना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।

हापुड़ में पानी समझ युवती ने पिया तेजाब

यूनिक समय, हापुड़। हापुड़ के अर्जुन नगर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां जेवर खरीदने पहुंची एक युवती ने पानी समझकर ऐसी बोतल से दो घूंट पी लिए, जिसमें तेजाब या कोई केमिकल होने की आशंका जताई जा रही है। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, रिया अपनी मां के साथ सराफ की दुकान पर गई थी। प्यास लगने पर उसने दुकानदार से पानी मांगा। सराफ ने पास की दुकान से बोतलबंद पानी मंगवाया। युवती ने जैसे ही बोतल से पानी पिया, उसे उल्टियां होने लगीं और तबीयत खराब हो गई। परिजन उसे पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां गंभीर हालत देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया। मां का कहना है कि बोतल सीलबंद और ठंडी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ के

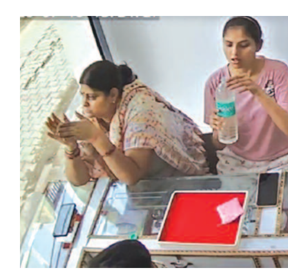

दो घूंट पीते ही बिगड़ी हालत

पुलिस सीसीटीवी फुटेज से कर रही जांच

अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में युवती बोतल से कुछ पीती नजर आ रही है। सराफ, दुकानदार और बोतल लाने वाले किशोर से पूछताछ की जा रही है। पुलिस केमिकल की पुष्टि के लिए जांच करा रही है।

चढ़ावा चोरी को नृपेंद्र मिश्र ने बताया कलंक

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने चिंता जताई है। उन्होंने इस घटना को 'कलंक' बताते हुए कहा कि मंदिर की गरिमा और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखना सबसे जरूरी है। नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। ऐसे में इस तरह की घटना सभी के लिए पीड़ादायक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यवस्थाओं में जरूरी बदलाव किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने बताया कि मंदिर के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया जारी है। उच्चस्तरीय समिति की सिफारिश के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अंतिम निर्णय लेगा। नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि मंदिर परिसर में चल रहे बाकी काम 20 जुलाई तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि

राम मंदिर व्यवस्था में होंगे बड़े सुधार

निर्माण कार्य 20 जुलाई तक होंगे पूरे

निर्माण की गुणवत्ता और समयसीमा पर लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण समिति की बैठक में केवल परियोजना से जुड़े कार्यों और प्रगति की समीक्षा की जा रही है। मंदिर की व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

मफलर की कहानी से भावुक हुए पीएम

कीवी शख्स का दिया वो मफलर आज भी मेरे पास है : मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए एक भावुक याद साझा की। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने करीब 25-30 साल पुरानी घटना का जिक्र किया, जिसने वहां मौजूद लोगों का दिल छू लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भले ही यह उनकी प्रधानमंत्री के रूप में पहली न्यूजीलैंड यात्रा है, लेकिन कई दशक पहले उन्हें यहां आने का अवसर मिला था। उस समय वह सरकार का हिस्सा नहीं थे और सार्वजनिक जीवन में उनकी भूमिका अलग था।

पीएम मोदी ने कहा कि उस यात्रा के दौरान न्यूजीलैंड के एक स्थानीय नागरिक ने उन्हें उपहार के रूप में एक मफलर, टोपी और दस्ताने दिए थे। उन्होंने भावुक होते हुए बताया कि वही मफलर आज भी उनके पास सुरक्षित है और वह इसे खास लगाव के साथ संभालकर रखते हैं।

उन्होंने कहा कि यह मफलर केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड के लोगों के स्नेह और अपनापन की याद है। पीएम मोदी ने कहा कि जिस तरह उन्होंने इस उपहार को वर्षों तक संभालकर रखा है, उसी तरह वह दुनिया भर में बसे भारतीयों के प्यार और विश्वास को अपने दिल में संजोकर रखते हैं।

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत और न्यूजीलैंड के रिश्तों को मजबूत बताया। उन्होंने न्यूजीलैंड की माओरी संस्कृति के शब्द 'वाका' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह साझा यात्रा और सहयोग का प्रतीक है। भारत और न्यूजीलैंड अब विकास

न्यूजीलैंड में साझा की पुरानी यादें

भारतीय समुदाय ने किया जोरदार स्वागत

और साझेदारी के नए दौर की ओर बढ़ रहे हैं।

इस मौके पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी पीएम मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने संघर्षों से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व किया है और वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और न्यूजीलैंड की परंपराओं का सुंदर संगम भी देखने को मिला। प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों की नाव डूबी, 15 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। वियतनाम के फुक्वोक द्वीप के पास भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलटने की दर्दनाक घटना सामने आई है। हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 15 लोगों की मौत हो गई है।

भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि स्थानीय प्रशासन की मदद से खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हो ची मिन्ह सिटी स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में कंट्रोल रूम बनाया गया है।

बताया जा रहा है कि नाव हॉन मे 'रट क्षेत्र से पर्यटकों को लेकर एन थॉई पोर्ट जा रही थी, तभी समुद्र में पलट गई। कई यात्री पानी में गिर गए और

बचाव अभियान जारी

दूतावास ने सहायता के लिए हेल्पलाइन जारी

कुछ लोग नाव के अंदर फंस गए।

दूतावास ने सहायता और जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

ट्रंप की ईरान को सख्त चेतावनी

1000 मिसाइलों से करेंगे हमला

तनाव के बीच बढ़ी अमेरिका ईरान तनातनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी खतरे की स्थिति में अमेरिका तुरंत जवाब देने के लिए तैयार है।

ट्रंप ने दावा किया कि ईरान को निशाना बनाने के लिए बड़ी सैन्य तैयारी की गई है और करीब 1000 मिसाइलें तैयार रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके खिलाफ कोई हमला या हत्या की कोशिश होती है तो अमेरिकी सेना पहले से तैयार योजना के अनुसार कार्रवाई करेगी।

हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि फिलहाल उनके खिलाफ किसी नई साजिश की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी सख्त रुख दोहराया।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव वर्ष 2020 में कासिम सुलेमानी की मौत के बाद और बढ़ गया था। दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावनाओं के बीच ट्रंप के बयान से फिर विवाद गहरा गया है।

दतिया में टिकट विवाद पर भड़के बीजेपी समर्थक

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार की घोषणा के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं मिलने से नाराज समर्थक सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया।

बीजेपी ने दतिया सीट से आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। इसके बाद बड़ी संख्या में नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

पुलिस और प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन हालात बिगड़ गए। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव किया गया, जिसमें

एनएच.44 जाम पथराव में अफसर घायल

नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने किया जोरदार विरोध

पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल समेत कई अधिकारी और जवान घायल हो गए। स्थिति संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को हिरासत में लिया।

समर्थकों का कहना है कि टिकट नरोत्तम मिश्रा को मिलना चाहिए था। वहीं नए उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने उन्हें अपना वरिष्ठ नेता बताते हुए समर्थन मिलने की उम्मीद जताई है। दतिया सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा।

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल, बढ़ी समुद्री ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी स्टेल्थ फ्रि गेट आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल किया। प्रोजेक्ट-17ए के तहत निर्मित यह अत्याधुनिक युद्धपोत भारतीय रक्षा आत्मनिर्भरता की बड़ी मिसाल माना जा रहा है।

आईएनएस महेंद्रगिरि का डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है, जबकि निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी तकनीक और सामग्री का उपयोग किया गया है। यह युद्धपोत आधुनिक हथियारों, सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और

75 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक से तैयार युद्धपोत

आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि: राजनाथ

स्टेल्थ क्षमता से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से मुकाबला करने में सक्षम है राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस महेंद्रगिरि आत्मनिर्भर भारत और भारतीय रक्षा उद्योग की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। इसके नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी।

बेटी ने मां के त्याग को दिया अनमोल सम्मान

चार साल बाद लौटकर दिया यादगार तोहफा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कहते हैं माता-पिता के त्याग और प्यार का कोई मोल नहीं होता, लेकिन जब बच्चे अपनी सफलता का श्रेय उन्हें देते हैं तो वह पल बेहद खास बन जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो इसी खूबसूरत रिश्ते की कहानी बयां कर रहा है, जिसमें एक बेटी ने अपनी मां को ऐसा सरप्राइज दिया कि भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

हिमाचल प्रदेश की रहने वाली डिजिटल कंटेंट क्रिएटर वंशिका करीब चार साल पहले अपने सपनों को पूरा करने के लिए जर्मनी चली गई थीं। विदेश में रहकर उन्होंने मेहनत की और अपनी पहली बड़ी कमाई से मां के लिए एक खास तोहफा देने का सपना देखा।

लंबे इंतजार के बाद जब वंशिका अपने घर लौटीं तो उन्होंने अपनी मां को इसकी भनक तक नहीं लगने दी। अचानक बेटी को सामने देखकर मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इसके बाद वंशिका ने मां के हाथों में एक ज्वेलरी बॉक्स रखा।

जैसे ही मां ने बॉक्स खोला, उसमें खूबसूरत सोने के गहने देखकर वह भावुक हो गईं। इसके बाद बेटी ने दूसरा ज्वेलरी बॉक्स भी मां को दिया, जिसमें एक और शानदार गोल्ड सेट था। अपनी बेटी की मेहनत और प्यार को देखकर मां खुद को रोक नहीं पाईं और बेटी को गले लगाकर रो पड़ीं।

मां की आंखों में खुशी के आंसू

वंशिका ने बताया कि यह तोहफा सिर्फ गहने नहीं, बल्कि मां के वर्षों के संघर्ष, प्यार और बलिदान के प्रति उनका आभार है। उन्होंने अपनी मां को हमेशा खुश रखने और उन्हें जिंदगी की हर खुशी देने की इच्छा जताई।

इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया है। यूजर्स का कहना है कि बच्चों की सफलता के पीछे माता-पिता की मेहनत और त्याग छिपा होता है। यह कहानी हर उस माता-पिता के लिए प्रेरणा है, जो अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए हर कठिनाई सहते हैं।

थार से पहुंचे लुटेरे, एटीएम उखाड़कर ले गए

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

पुलिस जुटी बदमाशों की तलाश में

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के बालेश्वर जिले में चोरी की हैरान करने वाली वारदात सामने आई है। खैरा थाना क्षेत्र के तुड़ीगड़िया बाजार में बदमाश थार गाड़ी से पहुंचे और एटीएम मशीन को ही उखाड़कर ले गए।

घटना शनिवार तड़के करीब 2 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, पांच से अधिक बदमाश काले रंग की थार में सवार होकर एटीएम कियोस्क पहुंचे। उन्होंने पहले मशीन को वाहन से बांधा, फिर गेट तोड़कर एटीएम को घसीटते हुए अपने साथ ले गए।

बदमाशों ने सुनसान जगह पर ले जाकर एटीएम से नकदी निकाली और मशीन को सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। बैंक अधिकारियों की मदद से चोरी हुई रकम का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है।

अंतरराज्यीय साइबर ठगी से जुड़े दो साइबर ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी करने वाले गैंग से जुड़े दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके खातों का इस्तेमाल दूसरे राज्यों से ठगी का पैसा मंगाने में किया गया है। पुलिस इस गैंग से जुड़े अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

इस मामले में सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन, एक एटीएम कार्ड और सात हजार की नकदी बरामद की गई है। कोतवाली पुलिस ने इन लोगों को भूतेश्वर अखाड़े वाली गली में पोखर के पास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम यश राठौर निवासी नई पानी की टंकी के पास कृष्णा विहार थाना कोतवाली और सनी सिसौदिया निवासी जी ब्लॉक जनकपुरी महौली रोड बताया है। उन्होंने बताया कि वे साइबर अपराधियों से संपर्क में रहकर ठगी की रकम को अपने खातों में ट्रांसफर कराते थे। इसके बाद एटीएम से पैसे निकालकर आगे पहुंचाते थे। जांच में सामने आया है कि आरोपियों के बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए किया गया था। इनके खातों से देश के अलग–अलग राज्यों में दर्ज शिकायतों का लिंक मिला है। इनमें आंध्र प्रदेश से दो साइबर शिकायतें और पंजाब से एनसीआरटी पोर्टल पर दर्ज एक शिकायत शामिल है। आरोपियों के खिलाफ मिले सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इनके साथ और कितने लोग जुड़े हुए हैं और ठगी की रकम कितनी है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए बैंक खातों और डिजिटल लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। बरामद मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड की भी जांच की जा रही है, जिससे अन्य मामलों का खुलासा होने की संभावना है। अभियुक्तों के खातों में कई संदिग्ध लेनदेन मिलने की बात भी सामने आई है। अब मुख्य आरोपियों तक पहुंचने और साइबर ठगी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने में पुलिस टीमों को लगाया जाएगा। सीओ सिटी ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेनदेन को लेकर सतर्क रहें, शक होने पर तुरंत पुलिस से शिकायत करें।

कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दो साइबर ठग।

दोनों के खातों का रकम ट्रांसफर में किया जाता था इस्तेमाल

खातों में जमा धन को एटीएम से निकाल कर देते थे दूसरे को

आंध्र प्रदेश और पंजाब से जुड़े मामले भी सामने आए

नाविकों और यात्रियों की सुरक्षा पर जोर

बैठक में नाविकों और यात्रियों की सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए डीएम सीपी सिंह।

डीएम ने नाविकों से लिए सुझाव, लाइफ जैकेट, पंजीकरण और सुरक्षा नियमों का पालन करने के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार की प्रस्तावित अंतर्देशीय जलयान नियमावली–2026 को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। अधिकारियों और नाविकों ने सुझाव दिए। नाव संचालन को सुरक्षित बनाने और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी नियमों पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि नई नियमावली लागू होने के बाद नाव संचालन पहले से अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। अधिकारियों ने सभी नावों और नाविकों का पंजीकरण कराने, सुरक्षा मानकों का पालन करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। डीएम ने कहा कि मथुरा यमुना किनारे बसा जिला है, इसलिए यहां नाविकों और गोताखोरों की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है। हर नाव में लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, प्राथमिक उपचार किट और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण होने चाहिए।

बैठक में अपर परिवहन आयुक्त प्रशासन चित्रलेखा सिंह, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्य, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, डीडीओ गरिमा खरे, एआरटीओ (प्रशासन) नीतू सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ पूजा राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और नाविक मौजूद रहे।

एसएसपी ने डीजीसी क्राईम को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बीएनएस 203 में प्रदेश में कोर्ट से दिलाई अभियुक्त को फांसी की सजा

डीजी सी क्राईम शिवराम सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय,मथुरा। पुलिस लाइन स्थित सभागार में डीजीसी क्राईम को थाना फरह इलाके के एक गांव घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने और विरोध करने पर महिला को जला कर हत्या करने वाले अभियुक्त को फांसी की सजा दिलाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में डीजीसी क्राईम शिवराम सिंह ने एक महिला को घर में घुसकर संजू उर्फ लालाराम की पत्नी के साथ बलात्कार का प्रयास करने और उसके विरोध करने पर उसपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जला कर हत्या करने के मुकदमे की पैरवी तेजी से करते हुए अभियुक्त को बीएनएस में प्रदेश में प्रथम फांसी की सजा कराए जाने पर प्रशस्तिपत्र एसएसपी श्लोक कुमार द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने तीन मामलों में अजीवन कारावास आदि की भी सजा मुकदमों की शीघ्र पैरवी करते हुए की गई।

पुलिस ने 300 ग्राम नशीले पाउडर के साथ किए दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने एक महिला सहित दो लोगों को 300 ग्राम अवैध नशीला पाउडर रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। चौकी बिरला मंदिर क्षेत्र में राधेश्याम कॉलोनी को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त असलम निवासी अर्जनपुर थाना गोविंदनगर और एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 300 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

ऋषि परंपरा के अद्वितीय संत थे ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा सरकार

संवाददाता

यूनिक समय, मांट। डांगोली क्षेत्र स्थित देवरहा बाबा समाधि स्थल पर इंटरनेशनल देवरहा दिव्य फाउंडेशन के बैनर तले ब्रह्मर्षि योग सम्राट देवरहा बाबा का त्रिदिवसीय 36 वां योगिनी एकादशी वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य मनाया।

विश्व भर से आए भक्तों की मौजूदगी में ब्रह्मर्षि देवदास ने गर्भ गृह और महा समाधि का अभिषेक, पूजन-अर्चन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विश्व शांति के लिए यज्ञ किया। रात्रि जागरण करते हुए दूर–दराज से आए हजारों भक्तों–श्रद्धालुओं ने संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य अखंड हरिनाम संकीर्तन किया।

आश्रम के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि देवदास (बड़े सरकार) ने कहा कि ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा सरकार ऋषि परंपरा के अद्वितीय संत थे। उन्हें अष्टांग योग की सिद्धि और ब्रह्मलीन अवस्था में रहने की सिद्धियां प्राप्त थी। वे हमेशा सत्य, धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उपदेश देते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन गंगा, यमुना,नर्मदा और सरयू आदि नदियों के किनारे लकड़ी के बने ऊंचे मचान पर रहते हुए व्यतीत किया। वे त्रिकाल दर्शी और सिद्ध योगी थे। उन्होंने कभी भी जाति, वर्ण, संप्रदाय आदि के आधार पर किसी से भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा सन् 90 में आज के ही दिन देवराहा बाबा ने यहीं पर समाधि ली थी।

योगिनी एकादशी वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव में विचार व्यक्त करते ब्रह्मर्षि देवदास।

शिक्षा को बढ़ावा देने में भूमिका निभाती हैं मोबाइल लाइब्रेरी

प्रमुख संवाददाता

वृंदावन शोध संस्थान परिसर में मोबाइल लाइब्रेरी के शुभारंभ पर आए प्रबुद्धजन।

यूनिक समय, वृंदावन। नेशनल बुक ट्रस्ट ने वृंदावन शोध संस्थान परिसर में लाइब्रेरी शुरु की। संस्थान के सचिव प्रवीण गुप्ता और निदेशक डॉ राजीव द्विवेदी ने मोबाइल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया।

संस्थान के निदेशक डा. राजीव द्विवेदी ने कहा कि पुस्तक केवल ज्ञान का स्त्रोत ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण नैतिक मूल्यों के विकास और सकारात्मक सोच की आधारशिला भी है। मोबाइल लाइब्रेरी जैसी अभिनव योजना विद्यार्थियों-शोधार्थियों में पढ़ने की जागरूकता फैलती है। शिक्षा को बढ़ावा देने में भूमिका निभाती हैं। संस्थान से शोध-प्रकाशन सहायक डॉ करुणेश उपाध्याय ने बताया मोबाइल लाइब्रेरी का उद्देश्य विद्यार्थियों-शोधार्थियों एवं छात्र–छात्राओं और उत्कर्ष, बहु विषय एक पुस्तकों को उपलब्ध कराना, समाज में पठन–पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना है । पुस्तकालय सहायक रेखा रानी ने नेशनल बुक ट्रस्ट की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान का शोध एवं उपचार का केंद्र है। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन अधिकारी रजत शुक्ला, करवेंद्र सिंह, बृजेश कुमार और हेमंत कुमार आदि उपस्थित थे।

बाइक की टक्कर से किशोर घायल

यूनिक समय ,सुरीर। सिंकदरपुर मार्ग पर साइड में खड़े किशोर को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर से किशोर गंभीर घायल हो गया। न्यायालय के आदेश पर बाइक सवार के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। गांव भगत नगरिया निवासी मिलन देवी पत्नी मोहन ने दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि 11 जून को सुबह करीब साढ़े दस बजे बेटा वंश (13) सिंकदरपुर मार्ग पर एक भट्टे के सामने अपनी साइकिल को कच्चे में खड़ी कर कुरकुरे खा रहा था। तभी गांव के युवक प्रशांत ने तेजी-लापरवाही से बाइक चलाते हुए उसके बेटे को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। आरोप है कि प्रार्थिया ने अपने बेटे वंश का अस्पताल में इलाज कराया। आरोप है कि पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो उसे न्यायालय की शरण लेनी पढ़ी। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले बाइक सवार प्रशांत निवासी भगत नगरिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीती रात हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में श्रद्धालु और चालक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार देर रात जनपद में अलग–अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं मे एक श्रद्धालु की मौत हो गई और पुल पर खड़े ट्रक से कैंटर ट्रक के टकराने से चालक की मौत हो गई।

युवक रेशम (30) पुत्र बनवारी लाल निवासी गांव जटौई थाना मुरसान जनपद हाथरस कल सायं अपनी विक्की से वृंदावन में दर्शन के लिए आया था। बताया गया कि अट्टला चुंगी पर उसकी विक्की को तेज गति से आते बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में रेशम बुरी तरह से घायल हो गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना की सूचना मृतक के परिवार को दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पलवल हरियाणा निवासी महेश (34) पुत्र तेजपाल कैंटर ट्रक चलाता था। महेश ट्रक में कानपुर से परचून का माल लेकर सोहणा, हरियाणा के लिए जा रहा था। आज तड़के करीब तीन बजे उसका ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर कोसीकलां के पुल पर खड़े एक दूसरे ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया और चालक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रसत वाहनों' को हटवाया। इसके साथ दुर्घटना में मृत चालक के परिवार को इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने केबाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मारपीट के मामले में न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली के गांव बैकुंठपुर में एक युवक के साथ हुई मारपीट के मामले में न्यायालय के आदेश पर हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। गांव बैकुंठपुर निवासी ब्रिजो ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसका नाती करन गांव में हुई दावत में जूता पहन कर बैठ गया था। इस बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इस बात को लेकर तीन जून को शाम करीब पांच बजे में अपने घर के अंदर बैठा हुआ था। तभी पड़ोसी सतीश, प्रीति, रामनिवास,सूरज और दो अन्य लोगों ने घर के अंदर घुस कर गाली–गलौज की। विरोध करने पर इन लोगों ने मारपीट की। लोगों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

देशी शराब के 16 पव्वों के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली पुलिस ने एक युवक को देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक मानकचंद शर्मा ने चैकिंग अभियान के दौरान खायरा से महमूदगढ़ी जाने वाले मार्ग पर माइनर के समीप से पुलिस को देख कर भागते युवक को पकड़ लिया। युवक ने पूछताछ में अपना नाम रमेश उर्फ मामा निवासी महमूदगढ़ी बताया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 16 पव्वा देशी शराब के बरामद हुए है।